लखनऊ

बुधवार, 30 जुलाई, 2025
वर्ष : 11 । अंक: 21
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

कठिनाईयां भगवान का संदेश होती हैं, उनका सामना करते समय हमें भगवान के विश्वास के रूप में, भगवान से अभिनंदन के रूप में उनका सम्मान करना चाहिये। - हेनरी वार्ड बीचर

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi | NIGHT 26° Low

संक्षेप

हमले में जान गंवाने वाले संतोष जगदाले की बेटी का भावुक संदेश, कहा- आतंकियों के खात्मे से मिली राहत

पुणे। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में शामिल तीनों आतंकियों को सोमवार को सुरक्षा बलों ने ऑपरेशन महादेव के तहत मार गिराया है। भारतीय सेना की इस उपलब्धि पर पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए संतोष जगदाले की बेटी असावरी जगदाले ने भावुक संदेश दिया। उन्होंने केंद्र सरकार और सेना का आभार जताते हुए कहा कि मैं भारतीय सेना और सरकार का धन्यवाद करती हूं। आज उन 26 लोगों की आत्मा को शांति मिलेगी। हम भी अब चैन की नींद सो पाएंगे। उन्होंने कहा कि मेरी उम्मीद है कि आगे ऐसे हमले न हों और देश में शांति बनी रहे। सरकार को ऑपरेशन महादेव जैसे अभियान लगातार चलाते रहना चाहिए। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में इसी साल 22 अप्रैल को हुए कायराना आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने 6-7 मई की दरम्यानी रात ऑपरेशन सिंदूर चलाया था। पाकिस्तानी सीमा के भीतर दहशतगर्दों के पनाहगाह को नेस्तनाबूद करने के बाद भारत के सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों ने 33 देशों की राजधानियों का दौरा कर पाकिस्तान और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार की नीतियों को बेनकाब किया।

ऑपरेशन सिंदूर को कांग्रेस सांसद प्रणीति शिंदे ने बताया तमाशा, पूछा- इससे क्या हासिल हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर गरमागरम चर्चा के दौरान, कांग्रेस सांसद प्रणीति शिंदे ने सैन्य अभियान को मीडिया का ध्यान आकर्षित करने के लिए सरकार द्वारा रचा गया एक तमाशा बताकर राजनीतिक बवाल खड़ा कर दिया। इस टिप्पणी को तुरंत आधिकारिक संसदीय रिकॉर्ड से हटा दिया गया। यह फैसला लोकसभा अध्यक्ष ने लिया। प्रणीति शिंदे ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर मीडिया में सरकार का एक 'तमाशा' था। कोई हमें यह नहीं बता रहा कि इस ऑपरेशन में क्या हासिल हुआ। कितने आतंकवादी पकड़े गए? हमने कितने लड़ाकू विमान गँवाए? इसके लिए कौन ज़िम्मेदार है और किसकी गलती है, इसका जवाब सरकार को देना चाहिए। जवाब में, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विपक्ष के सवालों को बेतुका बताते हुए खारिज कर दिया। उन्होंने तर्क दिया कि संभावित विमान क्षति या अन्य ऑपरेशनल असफलताओं के बारे में पूछताछ भारतीय जनता की भावनाओं को प्रतिबिंबित नहीं करती। सिंह ने कहा, 'अगर आपको कोई सवाल पूछना ही है, तो पूछिए कि क्या भारत ने आतंकवादी ठिकानों को नष्ट किया; इसका जवाब है हाँ। पूछिए कि क्या हमारे किसी बहादुर सैनिक को कोई नुकसान पहुँचा; जवाब है नहीं। पूछिए कि क्या ऑपरेशन सफल रहा; जवाब है, बिल्कुल।' उन्होंने आगे बताया कि पहलगाम आतंकी हमले, जिसमें 26 लोग मारे गए थे, के जवाब में 7 मई को शुरू किया गया ऑपरेशन सिंदूर, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और पाकिस्तान में स्थित नौ आतंकी ठिकानों पर एक सटीक हमला था। उन्होंने दावा किया कि 100 से ज्यादा आतंकवादियों का सफाया कर दिया गया और 10 मई को भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम पर सहमति बन गई।

ऑपरेशन महादेव में मारे गए पहलगाम हमले में शामिल रहे तीनों आतंकवादी

संसद में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के मानसून सत्र के दौरान लोकसभा में शुरू हुई ऑपरेशन सिंदूर पर बहस में मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सदन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने सबसे पहले जम्मू-कश्मीर में मंगलवार को भारतीय सेना की ओर से चलाए गए ऑपरेशन महादेव की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पहलगाम की बैसरन घाटी में निर्दोष पर्यटकों को मारने वाले तीनों आतंकी इस ऑपरेशन में मारे गए। इन तीनों में से 2 पाकिस्तानी थे और इसके सबूत भी हैं।

गृह मंत्री शाह ने कहा, जिन आतंकियों ने पहलगाम की बैसरन घाटी में हमारे 26 निर्दोष पर्यटकों की हत्या की थी, उन तीनों आतंकवादियों को हमारी सेना ने श्रीनगर दाचीगाम इलाके के लिडवास में महादेव पहाड़ी पर मुठभेड़ के दौरान मार गिराया है। उन्होंने कहा, सेना की कार्रवाई में मारा गया आतंकी हाशिम मूशा पाकिस्तानी सेना की विशेष सेवा समूह (एसएसजी) का पूर्व पैरा-कमांडो था और लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का कमांडर भी था। अन्य दो में से एक भी पाकिस्तानी था।

गृह मंत्री शाह ने कहा, पहलगाम आतंकी हमला दोपहर 1 बजे हुआ और मैं शाम साढ़े 5 बजे श्रीनगर में उतर चुका था। 23 अप्रैल को एक सुरक्षा मीटिंग की गई, जिसमें आतंकियों को भागने न देने का निर्णय किया गया। उन्होंने कहा, हमें दाचिगाम में आतंकियों की मौजूदगी का पता चला। इसके बाद 4 पैरा, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर तीनों आतंकवादियों को मौत के घाट उतार दिया।

गृह मंत्री शाह ने कहा, सेना, सीआरपीएफ और इंटेलीजेंस ब्यूरो (आईबी) के अधिकारी स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल कर आतंकियों की मौजूदगी का पता लगाने में जुटे रहे। 22 जुलाई को इसमें सफलता मिली और आतंकियों के दाचीगाम इलाके की महादेव पहाड़ी पर होने की पुष्टि गई। इसके बाद ऑपरेशन चलाकर उनका खात्मा कर दिया गया। उन्होंने कहा, ऑपरेशन में पाकिस्तानी आतंकी हाशिम मूसा, अफगान और जिब्रान मारे गए हैं। उनकी मदद करने वालों की भी पहचान कर ली गई है।

टीआरएफ ने कश्मीर में 25 आतंकी हमले कर डाले, किसी को पहलगाम की भनक तक नहीं लगी : प्रियंका

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रियंका गांधी वाड्रा ने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर जारी चर्चा में शामिल होते हुए केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आतंकी हमले की जिम्मेदारी किसकी है? देश के नागरिकों की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है? उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले के लिए जिम्मेदारी लेने वाले TRF (The Resistance Front यानी द रेजिस्टेंस फ्रंट) ने कश्मीर में 25 आतंकी हमले कर डाले और सरकार को इसकी भनक तक नहीं लगी। क्या किसी ने इसकी जिम्मेदारी ली?

कांग्रेस नेता और लोकसभा से सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, "पहलगाम में आतंकी हमले की जिम्मेदारी एक आतंकी गुट TRF थोड़े दिनों बाद लेती है। कौन है ये TRF। साल 2019 में ये गुट बना। 2020 में इसने कश्मीर में आतंकवाद का काम शुरू कर दिया। अप्रैल 2020 से लेकर 22 अप्रैल 2025 तक टीआरएफ ने 25 आतंकवादी हमले किए।" उन्होंने कहा कि गृह मंत्री (अमित शाह) ने यूपीए सरकार के कार्यकाल के दौरान लगभग 25 आतंकवादी हमले गिनाए थे। जबकि इस गुट (TRF) ने 2020 से लेकर 2025 तक 25 आतंकी हमले कश्मीर में कर डाले। इन हमलों की मेरे पास पूरी लिस्ट है।

तुम्हारी पाकिस्तान से..अमित शाह ने भरे सदन में अखिलेश से पूछ लिया कुछ ऐसा, भड़क गया पूरा विपक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की शुरुआत करते हुए लोकसभा को बताया कि जम्मू-कश्मीर के ऑपरेशन महादेव में मारे गए तीनों आतंकवादी 22 अप्रैल को पहलगाम हमले में शामिल हमलावर थे। ऑपरेशन महादेव सोमवार को सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से चलाया गया था। शाह ने आगे कहा कि आज मैं सदन को बताते हुए बहुत खुश हूं कि मोदी जी ने ऑपरेशन सिंदूर करके जिन्होंने आतंकवादियों को भेजा था, उनके आकाओं को सेना व सीआरपीएफ ने जमीन में मिलाने का काम किया। अमित शाह जब ये जानकारी दे रहे थे इसी बीच अखिलेश यादव ने पाकिस्तान का जिक्र कर कुछ कहा तो गृह मंत्री ने पलटवार कर दिया। उन्होंने सपा मुखिया से दो टूक कहा कि अखिलेश जी बैठ जाइए मेरा पूरा जवाब सुनिए आपको सब समझ में आ जाएगा, भाई आप आतंकवादियों के धर्म देखकर दुखी मत होइए। अमित शाह ने जवाब देते हुए कहा कि पाकिस्तान से आपकी बात होती है क्या? इसके बाद सपा सांसद सदन में शोर करना शुरू कर देते हैं। अमित शाह ने तुरंत विपक्ष पर पलटवार करते हुए कहा कि कल पूछ रहे थे आतंकी कहां से आए, भाई जिम्मेदारी हमारी ही है। हम सरकार में है, पर मैं पूछता हूं कि जब आप सरकार में थे तब आपने क्यों जिम्मेदारी नहीं ली। बाद में स्पीकर द्वारा शांत कराए जाने के बाद अमित शाह ने आगे बोलना शुरू किया।

ऑपरेशन सिंदूर पर बोले खरगे- एक दिन आपका अहंकार तोड़ने वाले लोग आएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर मंगलवार को चर्चा शुरू हुई। चर्चा की शुरुआत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की। इसके बाद कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सवाल किया। खरगे ने इस दौरान मोदी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार बस नेहरू को गालियां देती है। सरकार को यह बताना चाहिए कि पहलगाम में आतंकी कहां से आए। पहलगाम में लोगों ने अपनों को खोया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार कहती है कि हमने आतंकवाद को खत्म कर दिया तो फिर ये हमला क्यों हुआ। उन्होंने कहा कि ये सुरक्षा में चूक है और केंद्रीय गृह मंत्री को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि पीएम मोदी ने हमले से तीन दिन पहले अपना जम्मू-कश्मीर का दौरा रद्द कर दिया था। उन्होंने कहा कि क्या सरकार को इस बात की जानकारी थी कि उन्होंने अपना दौरा रद्द किया। खरगे ने कहा कि उन्होंने इस बात का लिखित रूप से भी जवाब मांगा था। उन्होंने कहा कि यह सरकार अहंकार में डूबी है। यह हमारी बातों का जवाब नहीं देते हैं। उन्होंने कहा कि एक दिन आपका अहंकार तोड़ने वाले लोग आएंगे।

खरगे ने ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान पीएम की गैरमौजूदगी को लेकर सवाल उठाए। खरगे ने कहा कि जब इस मुद्दे पर चर्चा चल रही है तो पीएम को यहां मौजूद रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी हमले के बाद सर्वदलीय बैठक में भी नहीं आए। खरगे ने कहा कि ये आज जवाहर लाल नेहरू पर टिप्पणी कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कभी जब ये बच्चे थे तो कहते थे चाचा नेहरू आए। खरगे ने केंद्र पर टारगेट करते हुए कहा कि आपने सिर्फ झूठ के कारखाने बनाए। लोग आपकी बातों पर भरोसा नहीं करेंगे। आपको सच बोलना चाहिए। सरकार सच सुनने का साहस दिखाए। आप बिना बुलाए गले जाकर मिलते हैं।

मुठभेड़ कल ही क्यों हुई? ऑपरेशन महादेव पर अखिलेश ने उठाए सवाल, चीन को बताया राक्षस

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के दौरान सपा सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि आखिर ऐसी क्या वजह थी कि सरकार को युद्धविराम की घोषणा करनी पड़ी? उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा कि हमें तो उम्मीद थी कि सरकार खुद ही इसकी घोषणा कर देगी। लेकिन चूंकि उनकी गहरी दोस्ती है, इसलिए सरकार ने अपने दोस्त से ही युद्धविराम की घोषणा करने को कहा। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ा सवाल यह है कि सुरक्षा चूक की जिम्मेदारी कौन लेगा? सरकार जो दावा करती है कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने के बाद कोई आतंकवादी घटना नहीं होगी। अखिलेश यादव ने कहा कि आज जब हम संसद में यह चर्चा कर रहे हैं तो सरकार को बताना चाहिए कि देश का कुल क्षेत्रफल कितना है। यादव ने संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा वाले दिन ही कश्मीर में ऑपरेशन महादेव संचालित होने पर सवाल उठाते हुए कहा कि मुठभेड़ कल ही क्यों हुई। उन्होंने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लिए ये लाइन बोलूंगा, मैं दुनिया को मनाने में लगा हूं, मेरा घर मुझसे रूठा जा रहा है। सपा सांसद ने कहा कि यह बात पक्ष विपक्ष की नहीं है, देश की सुरक्षा, जनता के जीवन की है।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी गोलाबारी में अनाथ हुए 22 बच्चों को गोद लेंगे राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी गोलाबारी में अपनों को खोने वाले 22 बच्चों की शिक्षा का जिम्मा लेंगे। यह जानकारी जम्मू-कश्मीर कांग्रेस प्रमुख तारिक हामिद कर्रा ने दी है। उन्होंने बताया कि राहुल ने पुंछ के उन 22 बच्चों की शिक्षा का खर्च उठाने का फैसला किया है, जिन्होंने पाकिस्तानी गोलाबारी में अपने अभिभावक या परिवार के एकमात्र कमाने वाले को खो दिया है।

सूत्रों ने कर्रा के हवाले से बताया कि बच्चों के लिए सहायता की पहली किस्त बुधवार को जारी होगी ताकि बच्चे अपनी पढ़ाई जारी रख सकें। उन्होंने बताया कि बच्चों के लिए राहुल की यह सहायता इनके स्नातक होने तक जारी रहेगी। राहुल ने मई में पुंछ दौरे के दौरान स्थानीय नेताओं से ऐसे बच्चों की सूची तैयार करने को कहा था। पार्टी नेताओं ने सर्वेक्षण और सरकारी रिकॉर्ड की जांच के बाद बच्चों के नाम तय किए हैं।

भारत-पाकिस्तान तनाव के समय जम्मू-कश्मीर का पुंछ शहर सीमा पार गोलाबारी से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ था। यहां एक धार्मिक स्कूल जिया उल अलूम पर गोलीबारी से 6 बच्चे घायल हुए थे। पीड़ितों में एक बच्चे विहान भार्गव की छर्रे लगने से मौत हो गई थी। राहुल ने क्राइस्ट पब्लिक स्कूल का भी दौरा किया था, जहां 12 साल के जुड़वां बच्चे उरबा फातिमा और जैन अली भी हताहत हुए थे। उन्होंने बच्चों से खूब पढ़ने को कहा था।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को पाकिस्तानी आतंकियों ने अचानक हमला कर 26 निर्दोष पुरुष पर्यटकों का धर्म पूछकर गोली मार दी थी। इसके बाद भारत ने पाकिस्तान से राजनयिक रिश्ते तोड़ लिए और सिंधु जल समझौता रद्द कर दिया। भारतीय सेना ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू कर पाकिस्तान के अंदर 9 आतंकी ठिकानों को नष्ट किया। इसके बाद पाकिस्तान ने भी गोलाबारी की। पाकिस्तान ने अपने नुकसान के बाद 10 मई को युद्धविराम की पेशकश की।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- बिहार एसआईआर में बड़े पैमाने पर बहिष्कार हुआ तो हस्तक्षेप करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद 65 लाख मतदाताओं के नाम काटे जाने की संभावना पर विशेष टिप्पणी की है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मौखिक रूप से कहा कि अगर मसौदा सूची में बड़े पैमाने पर बहिष्कार होगा तो कोर्ट हस्तक्षेप करेगा। पीठ ने बिहार एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं को 12 अगस्त और 13 अगस्त को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है।

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ओर से पेश वकील प्रशांत भूषण ने कोर्ट को बताया कि चुनाव आयोग का कहना है कि 65 लाख लोगों ने एसआईआर फॉर्म जमा नहीं किए हैं, ऐसे में उनके मरने या पलायन की संभावना है। भूषण ने कहा कि ऐसे लोगों को सूची में शामिल होने के लिए दोबारा से आवेदन करना होगा। इस पर न्यायमूर्ति ने कहा कि चुनाव आयोग कानून के अनुसार काम करेगा और कोर्ट चिंताओं पर सुनवाई करेगा।

न्यायमूर्ति बागची ने कहा, अगर कोई एसआईआर नहीं था, तो जनवरी 2025 की सूची शुरुआती बिंदु है। मसौदा सूची चुनाव आयोग प्रकाशित करेगा। आपकी आशंका है कि 65 लाख मतदाता इसमें शामिल नहीं होंगे। आयोग 2025 की प्रविष्टि के संबंध में सुधार की मांग कर रहे हैं। हम न्यायिक प्राधिकारी के रूप में इस मामले की समीक्षा कर रहे हैं। अगर बड़े पैमाने पर बहिष्कार हुआ, तो तुरंत हस्तक्षेप करेंगे। 15 लोगों को लाकर बताओ कि वे जीवित हैं।

चुनाव आयोग बिहार एसआईआर को लेकर मसौदा सूची 1 अगस्त को प्रकाशित करेगा, जिसे रोकने का अनुरोध कोर्ट से किया गया था। सोमवार को मामले की सुनवाई में कोर्ट ने मसौदा सूची को रोकने से इंकार कर दिया और कहा कि ये केवल मसौदा सूची है और अगर कोई अवैधता पाई गई तो पूरी सूची रद्द कर दी जाएगी। कोर्ट ने चुनाव आयोग से एसआईआर में आधार कार्ड और वोटर- आईडी कार्ड को शामिल करने को कहा है।

भारत को 'प्रलय' मिसाइल के परीक्षण में मिली सफलता, डीआरडीओ ने कहा- लक्ष्य पर सटीक हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को रक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी कामयाबी मिली है। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने जानकारी दी है कि भारत की स्वदेशी मिसाइल 'प्रलय' का 28 और 29 जुलाई 2025 को लगातार दो बार सफल परीक्षण किया गया। ये परीक्षण सेना की जरूरतों के मुताबिक किए गए थे ताकि यह देखा जा सके कि मिसाइल कम और ज्यादा दूरी तक कितनी सटीकता से मार कर सकती है।

दोनों दिनों में मिसाइल ने तय दिशा में उड़ान भरी और अपने लक्ष्य को बिल्कुल सही तरीके से भेदा। डीआरडीओ ने बताया कि यह परीक्षण सभी तय मानकों और उद्देश्यों पर खरा उतरा है। यानी मिसाइल ने जैसा उससे उम्मीद की गई थी, ठीक वैसा ही प्रदर्शन किया।

अब जानिए क्या है सबकुछ

वहीं बात अगर इस मिसाइल की ताकत की करें तो 'प्रलय' मिसाइल 150 किलोमीटर से लेकर 500 किलोमीटर तक के लक्ष्य को सटीकता से निशाना बना सकती है। यानी यह कम दूरी पर दुश्मन के बंकर, रडार या हथियारों को तबाह कर सकती है। यह मिसाइल सुपरसोनिक गति से उड़ान भरती है, यानी यह आवाज की गति से भी तेज चलती है। इसका वजन लगभग 5 टन (5000 किलो) है, जिसमें इसका फ्यूल और वॉरहेड शामिल होता है।

'प्रलय' एक आधुनिक बैलिस्टिक मिसाइल

बता दें कि भारत की रक्षा ताकत को और मजबूत करने के लिए बनाई गई 'प्रलय' एक स्वदेशी बैलिस्टिक मिसाइल है, जिसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने विकसित किया है। यह जमीन से जमीन पर मार करने वाली मिसाइल है, जो बेहद तेज और सटीक निशाना लगाने में सक्षम है। 'प्रलय' एक क्विक रिएक्शन बैलिस्टिक मिसाइल है, जिसका मतलब है कि यह बहुत कम समय में लॉन्च की जा सकती है और दुश्मन के ठिकानों को तबाह कर सकती है। यह मिसाइल भारतीय सेना की शॉर्ट-रेंज स्ट्राइक कैपेबिलिटी को और ज्यादा ताकत देती है।

क्या है डिजाइन और इसकी सटीकता?

गौरतलब है कि 'प्रलय' जीपीएस और इनर्शियल नेविगेशन सिस्टम का इस्तेमाल करती है, जिससे यह अपने लक्ष्य को बिल्कुल सही जगह पर मार सकती है। इसे इस तरह से डिजाइन किया गया है कि यह दुश्मन के एयर डिफेंस सिस्टम को चकमा दे सके। 'प्रलय' मिसाइल चीन और पाकिस्तान जैसी चुनौतियों को ध्यान में रखकर बनाई गई है। यह मिसाइल दुश्मन के रडार, एयरबेस और सैन्य ठिकानों को कुछ ही मिनटों में तबाह कर सकती है। यह खासकर सीमावर्ती इलाकों में बेहद उपयोगी साबित हो सकती है।

महाराष्ट्र में कर्मचारियों के लिए सोशल मीडिया के नए नियम, तोड़ने पर होगी कार्रवाई

मुंबई, एजेंसी। सोशल मीडिया पर सरकार की आलोचना करने वाले महाराष्ट्र के कर्मचारियों की अब खैर नहीं है। इसको लेकर महाराष्ट्र सरकार ने सोशल मीडिया उपयोग के नए नियम बनाए हैं। इसके तहत अब कर्मचारी योजनाओं को लेकर सरकार पर कोई टीका-टिप्पणी नहीं कर सकेंगे। इसका उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी। इसको लेकर सामान्य प्रशासन विभाग ने कहा कि इससे काम में गोपनीयता आएगी और वे पहले से ज्यादा प्रभावी तरीके और जिम्मेदारी से काम करेंगे। सामान्य प्रशासन विभाग ने कहा कि फेसबुक, लिंक्डइन, एक्स, यूट्यूब, व्हाट्सऐप और टेलीग्राम जैसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग बढ़ गया है। साथ ही त्वरित संदेश के बढ़ते प्रचलन और सुविधा ने गोपनीय और भ्रामक जानकारी के प्रसार के खतरे पैदा कर दिए हैं। इसी को देखते हुए सरकार ने कर्मचारियों को सोशल मीडिया का सचेत और जिम्मेदारी से उपयोग करने के लिए कहा है। नए नियम स्थानीय निकाय, मंडल और सार्वजनिक उपक्रमों के अधिकारी-कर्मचारियों पर लागू होंगे। दिशा-निर्देशों में लिखा है कि अब कर्मचारियों को अपने निजी और आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट्स को अलग-अलग रखना होगा। उन्हें सरकार की किसी नीति पर प्रतिक्रिया देने और आलोचना करने की मनाही होगी। वरिष्ठ अधिकारियों की अनुमति के बिना गोपनीय दस्तावेज और जानकारी को किसी के साथ शेयर करने पर भी पाबंदी लगाई गई है।

डायरिया नियंत्रण में ओआरएस व जिंक की बड़ी भूमिका : डॉ. दिनेश कुमार

महानिदेशक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण ने कहा- हमारा लक्ष्य, डायरिया से न हो किसी भी बच्चे की मौत

» ओआरएस दिवस पर 'डायरिया से जीवन सुरक्षा' पर संगोष्ठी आयोजित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। डायरिया रोको अभियान के तहत विश्व ओआरएस दिवस पर स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू के सहयोग से मंगलवार को एक स्थानीय होटल में "डायरिया से जीवन सुरक्षा" पर संगोष्ठी आयोजित की गयी। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए महानिदेशक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण डॉ. दिनेश कुमार ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग का लक्ष्य है कि डायरिया से किसी भी बच्चे की मौत न होने पाए। डायरिया के नियंत्रण व प्रबंधन में ओआरएस और जिंक की बड़ी भूमिका है, जिसकी उपलब्धता स्वास्थ्य इकाइयों और आशा कार्यकर्ताओं को सुनिश्चित करायी गयी है। इस मौके पर आशा कार्यकर्ताओं, स्टाफ नर्स, कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर, एएनएम को प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया।

महानिदेशक ने कहा कि डायरिया रोकथाम और प्रबन्धन में समुदाय स्तर पर जागरूकता की भी बहुत जरूरत है, जिसके लिए कई स्वयंसेवी संस्थाएं प्रयासरत हैं। राज्य सरकार द्वारा संचालित डायरिया रोको अभियान में सहयोग के लिए पीएसआई इंडिया और केनव्यू के सहयोग से चलाये जा रहे "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम को उन्होंने सराहा।

इस मौके पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उत्तर प्रदेश के बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के महाप्रबन्धक डॉ. मिलिंद वर्धन ने कहा कि बच्चों के डायरिया प्रबन्धन में ओआरएस एक किफायती और सर्व सुलभ उपाय है, जो शरीर में पानी की कमी (निर्जलीकरण) की समस्या को दूर करने का सबसे कारगर तरीका है। बच्चों में डायरिया से होने वाला निर्जलीकरण ही मृत्यु का कारण बनता है। डायरिया की शीघ्र पहचान कर समय से ओआरएस और जिंक दिया जाए तो बच्चे को अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। डायरिया के प्रति समुदाय स्तर पर जनजागरूकता बढ़ाने और लोगों को ओआरएस और जिंक की महत्ता को भलीभांति समझाने के लिए प्रदेश में वृहद स्तर पर 16 जून से 31 जुलाई तक डायरिया रोको अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य बच्चों में डायरिया की रोकथाम, ओआरएस व जिंक के उपयोग को प्रोत्साहन और जनसामान्य में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना है।

अपर निदेशक परिवार कल्याण डॉ. शारदा चौधरी ने भी डायरिया प्रबन्धन में ओआरएस की भूमिका पर प्रकाश डाला और जोर दिया कि घर में अगर छोटे बच्चे हैं तो ओआरएस जरूर रखें।

पीएसआई इंडिया के स्टेट लीड अमित कुमार और सीनियर मैनेजर प्रोग्राम अनिल द्विवेदी ने बताया कि पीएसआई इंडिया और केनव्यू प्रदेश के सात जिलों फिरोजाबाद, मुरादाबाद, मथुरा, बदायूं, उन्नाव, गोंडा और श्रावस्ती में "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम संचालित कर रहे हैं। इसके तहत डायरिया से बचाव, कारण, रोकथाम व उपचार से जुड़े संदेशों वाले पोस्टर-बैनर व आडियो/वीडियो से सुसज्जित वाहन इन सात जिलों के गली-मोहल्लों में पहुँच रहे हैं और लोगों को जागरूक बना रहे हैं। स्कूली बच्चों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित कर जागरूकता के सन्देश जन-जन तक पहुंचाए जा रहे हैं। दीवार लेखन, नुक्कड़ नाटक और सार्वजनिक स्थलों पर ओआरएस- जिंक कार्नर बनाए गए हैं, निजी अस्पतालों को भी इस अभियान से जोड़ा गया है। फ्रंट लाइन वर्कर का अभिमुखीकरण किया गया है ताकि वह समुदाय स्तर पर ही डायरिया के प्रबन्धन में बड़ी भूमिका निभा सकें और डायरिया से जुड़ीं भ्रांतियों को दूर कर सकें। इस कार्यक्रम से जल्दी ही कुछ अन्य प्राथमिकता वाले जिलों को भी जोड़ा जाएगा।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एन. बी. सिंह ने कहा कि डायरिया रोको अभियान के दौरान जिस तरह से गतिविधियाँ आयोजित की गयीं, वह सराहनीय हैं। इस तरह का जागरूकता अभियान समुदाय स्तर पर निरंतर बनाए रखना हमारी फ्रंट लाइन वर्कर की बड़ी जिम्मेदारी है। इंडियन एकेडमी ऑफ़ पीडियाट्रिक्स की अध्यक्ष डॉ. शालिनी भसीन ने कहा कि डायरिया नियन्त्रण में निजी क्षेत्र की भी बड़ी भूमिका है।

केनव्यू के बिजनेस हेड-सेल्फ केयर प्रशांत शिंदे ने कहा, "डायरिया एक ऐसी बीमारी है जिसे समय पर उपचार और ओआरएस जैसे समाधानों के माध्यम से नियंत्रित किया जा सकता है। डायरिया से होने वाली मृत्यु दर (खासकर पांच साल से कम उम्र के बच्चों) को कम करने के प्रयासों को समर्थन देने के लिए हम अपने सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियान 'डायरिया से डर नहीं' के माध्यम से अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इस मौके पर पीएसआई इंडिया के डिप्टी डायरेक्टर समरेन्द्र बेहरा ने संस्था के विभिन्न कार्यक्रमों खासकर 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। संगोष्ठी में एनएचएम के महाप्रबन्धक-आईईसी डॉ. अम्बुज श्रीवास्तव, जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी योगेश रघुवंशी, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक सतीश यादव, टुडियागंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की प्रभारी डॉ. गीतांजलि, केजीएमयू से डॉ. मोनिका और डॉ. एस. के. सिंह, यूनिसेफ, सीआईआई, आईपास, न्युट्रिशन इंटरनेशनल, पाथ, एजूकेट गर्ल्स समेत विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं और पीएसआई इंडिया के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

पौधरोपण कर धरती को बनाये हरा भरा : स्वतंत्र देव सिंह

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। विकास खण्ड दरियाबाद की ग्राम पंचायत बेलहरी के सुवागाड़ा स्थित सिंचाई विभाग की जमीन पर एक पेड़ मां के नाम व पवित्र त्रिवेदी पौध रोपण अभियान के अंतर्गत पौध रोपण किया गया। जिसके मुख्य अतिथि के रुप में जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह रहे।मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे मंत्री स्वतंत्र देव सिंह का राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने पुष्प गुच्छ भेट कर स्वागत किया। अपने विचार व्यक्त करते हुए राज्य मंत्री ने कहा पानी टंकी निर्माण, सिंचाई बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र सहित आम जन जीवन के कार्यों को करने लिए राज्य मंत्री ने धन्यवाद दिया। राज्यमंत्री ने कहा वन क्षेत्र पार्क के रूप में विकसित किया जाएगा।स्वतंत्र देव सिंह ने अपने विचार रखते हुए कहा हम मा से बहुत प्रेम करते है। इस लिए एक पेड़ मां के नाम लगाना आज की जरूरत है। पेड़ से हमे स्वच्छ हवा, पानी आदि मिलता है। पेड़ मिट्टी जल से प्रेम करे पेड़ हमारे जीवन को संरक्षित करते है। मंत्री ने अमर कंटक नदी का जिक्र कर कहा पीपल बरगद आदि के पेड़ हजारों लीटर पानी अपनी जड़ों में। संरक्षित रखते है। वही जल हमको नदी में सिंचाई के रूप में मिलता है जिससे किसानों के खेतों की सिंचाई होती है। किसान की फसल पैदा होती है वह बाजार आती है। जिससे व्यापारी भी खुश रहता है। एक संतुलन बना रहता है। जल शक्ति मंत्री ने कहा की आज भी गुंडे खत्म नहीं हुए है। इस लिए मोदी और योगी को भूलना नहीं। आज सरकार की जन कल्याण कारी नीतियों से सभी वर्ग खुश है। जल शक्ति मंत्री ने राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा की प्रशंसा की। इस मौके पर विभागीय अधिकारियों के अलावा भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। पौधरोपण के बाद जल शक्ति मंत्री कल्याणी नदी के किनारे स्थित भगवान भोलेनाथ के बूढ़ेष्वर बाबा मंदिर पर जाकर जलाभिषेक किया और पूजा अर्चना की।

बारिश में कागजों पर मनरेगा में कार्य करते रहे 1374 मजदूर

सुलतानपुर। मनरेगा योजना में एक और बड़ा घोटाला उजागर हुआ है। बल्दीराय विकासखंड की 28 ग्राम पंचायतों में भारी बरसात के दिन यानी सोमवार को 1374 मजदूरों की हाजिरी दर्ज कर दी गई, जबकि दिनभर रुक-रुक कर बारिश होती रही और कहीं भी कार्य नहीं हो सका। आरोप है कि डीसी मनरेगा और एपीओ बल्दीराय की मिलीभगत से यह फर्जीवाड़ा किया गया है। बारिश के कारण सभी श्रमिक कार्यस्थलों से दूर रहे, बावजूद इसके उपस्थिति दर्ज कर मजदूरी दर्शा दी गई। इस कागजी खेल से न सिर्फ सरकारी धन की लूट की जा रही है, बल्कि शासन की महत्वाकांक्षी योजना को भी पलीता लगाया जा रहा है। सूत्रों की मानें तो यह खेल केवल एक दिन का नहीं है, बल्कि ऐसे कई मामलों की परतें खुल सकती हैं,अगर निष्पक्ष जांच हो।

खंड शिक्षा अधिकारी संघ का चुनाव हुआ संपन्न, उदय राज बने जिलाध्यक्ष

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। खण्ड शिक्षा अधिकारी संघ का चुनाव जिला शिक्षा एवम् प्रशिक्षण संस्थान के सभा कक्ष में आयोजित हुआ जिसमें सर्वसम्मति से कूरेभार के खण्ड शिक्षा अधिकारी उदय राज मौर्य को जिलाध्यक्ष चुना गया। दिलीप कुमार को महामंत्री, उपाध्यक्ष पूजा पाठक और रोजी सिंह, कोषाध्यक्ष के लिए सुनील कुमार यादव, मीडिया प्रभारी शिवशंकर मिश्रा, संरक्षक के रूप में राम तीरथ वर्मा, अजय सिंह, सुधीर कुमार सिंह और अरविन्द कुमार यादव को चुना गया। निर्वाचित जिलाध्यक्ष उदय राज मौर्य ने कहा कि सभी के हित और शिक्षा क्षेत्र में सतत विकास के लिए मै सदैव समर्पित रहूंगा। संघ के द्वारा जो विश्वास मुझपर किया गया है उसपर अक्षरशः खरा उतरने का प्रयास करूंगा।

संचारी रोग अभियान का हुआ समापन

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। करौंदिया (विवेकनगर) स्थित कमला नेहरू इंस्टीट्यूट आफ चाइल्ड एजुकेशन में संचारी रोग अभियान का समापन हुआ। इस अवसर पर विद्यालय की प्रार्थना सभा में अपने घर,परिवार, मोहल्ले तथा विद्यालय को विभिन्न रोगों से बचाने के लिए शपथ दिलाई गई। जूनियर केजी का छात्र दिव्यांश ने कविता सुनाया। कक्षा-5 का छात्र समृद्ध शुक्ला ने आज का सुविचार सुनाया। कक्षा-9 का छात्र अभिषेक द्विवेदी ने दिमागी बुखार एवं अन्य मच्छर जनित रोगों, जल जनित रोगों तथा पेट सम्बन्धी बीमारियों की रोकथाम तथा उपचार के बारे में बताया।कक्षा-10 की छात्रा सृष्टि सिंह ने आज का मुख्य समाचार पढ़ा। कार्यक्रम का संचालन कक्षा-11 की छात्रा आराध्या पांडेय ने किया।

प्रधानाचार्य डॉ.एन.डी.सिंह ने दिमागी बुखार, हैजा, टाईफाइड, मलेरिया, तपेदिक, हेपेटाइटिस-बी आदि के लक्षणों एवं उपचार के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर विद्यालय की उप प्रधानाचार्या तन्वी गोयल,समन्वयक रेनू सिंह, वरिष्ठ शिक्षक जगराम भार्गव, विश्वासमणि त्रिपाठी, सुनील राठी, अंकित सोनी, आशीष कुमार शुक्ला, गीता मिश्रा, शैलेंद्र उपाध्याय, नंदलाल, शालू सिंह आदि शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं। विद्यालय के प्रबंधक पूर्व मंत्री तथा वर्तमान विधायक विनोद सिंह,आशा सिंह,पुलकित सिंह तथा पलक सिंह ने सभी विद्यार्थियों व शिक्षक-शिक्षिकाओं को स्वस्थ रहने की ईश्वर से कामना किये हैं।

विश्व प्रसिद्ध बहत्तर ताबूत की ज़्यारत 17/18 अगस्त को

सुल्तानपुर। विगत वर्षों से करबला के 72 शहीदो की याद में अंजुमन जीनतुल अजा.रजि. अमहट के द्वारा इमामबाडा. बख्शी खां ताल्लुकेदार अमहट में हज. इमाम हुसैन अलै. और उनके 72 जॉनिसारों की याद में एक शब्बेदारी का सिलसिला चला आ रहा है। 17 अगस्त की रात में इमाम बारगाह बख्शी खां ताल्लुकेदार में रातभर मुल्क के ख्यातिलब्ध शिया धर्मगुरूओं की तकरीरे व बैरूनी और स्थानीय अंजुमनें नौहा मातम करेगी, 18 अगस्त को सुबह 72 ताबूतों का इमामबाडा.बख्शी खां ताल्लुकेदार से 72 ताबूत बरामद होगें। जिसे रायबरेली रोड़ स्थिति करबला पर सुपुर्देखाक किया जाएगा। रास्ते भर जाकिर-ए-अहलेबैत की तकरीरे होगी, साथ ही अंजुमने नौहा/मातम करती हुई करबला जाएगी, करबला पहुंचकर मंज़रकशी होगी तत्पश्चात कार्यक्रम का समापन होगा,उक्त जानकारी अंजुमन जीनतुल अजा. रजि.अमहट के सद्र याहिया उर्फ कल्लन साहब ने दी।

विश्व ओआरएस दिवस पर स्कूली बच्चों को डायरिया के प्रति किया जागरूक

आर्यावर्त संवाददाता

फिरोजाबाद। डायरिया के प्रति जन जागरूकता के लिए मंगलवार को उच्च प्राथमिक विद्यालय नगला पछिया हिमायूँपुर में विश्व ओआरएस दिवस मनाया गया। पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में डायरिया के नियंत्रण व प्रबंधन में ओआरएस और जिंक की बड़ी भूमिका के बारे में विस्तार से बताया गया।

इस मौके पर प्रधानाचार्य रमा कान्त ने कहा कि शून्य से पांच साल तक के बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाने के लिए जनजागरूकता बहुत जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए डायरिया के प्रति जागरूकता सम्बन्धी संदेशों वाले पोस्टर-बैनर और ओआरएस कार्नर के माध्यम से डायरिया के लक्षण, बचाव तथा ओआरएस और जिंक की उपयोगिता के बारे में विस्तार से बताया जा रहा है। प्रदेश में 16 जून से 31 जुलाई तक डायरिया रोको अभियान भी चलाया जा रहा है। अभियान की इस साल की थीम- "डायरिया की रोकथाम सफाई और ओआरएस से रखें अपना ध्यान" तय की गयी है। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में डायरिया की रोकथाम ओआरएस व जिंक के उपयोग को प्रोत्साहन और समुदाय में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना है।

इस मौके पर नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की एएनएम मीना देवी ने बच्चों को को हाथ धुलने के छह चरणों के बारे में बताया। इस मौके पर विद्यालय की अध्यापिका ममता मिश्रा, रूबी शर्मा , गीता यादव, नीलम कुमारी और पीएसआई इंडिया से राजेश कुमार प्रजापति कैफूल हसन, क्षेत्र की आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता भी उपस्थित रहीं। दूसरी ओर जनपद के लक्ष्मी हॉस्पिटल में भी विश्व ओआरएस दिवस मनाया गया। इस मौके पर लक्ष्मी हॉस्पिटल की हॉस्पिटल मैनेजर पूजा यादव ने उपस्थित लोगों से कहा कि शून्य से पांच साल तक के बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाने के लिए जन जागरूकता बहुत जरूरी है। उन्होंने डायरिया के लक्षण, बचाव तथा ओआरएस और जिंक की उपयोगिता के बारे में विस्तार से बताया। ज्ञात हो कि डायरिया रोको अभियान में सहयोग के लिए पीएसआई इंडिया और केनव्यू द्वारा जनपद में "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इस मौके पर बच्चों को ओआरएस के पैकेट और जिंक की गोलियां प्रदान की गयीं और उसके इस्तेमाल के सही तरीके के बारे में भी बताया गया। इस दौरान डॉ. पारस राजपूत व समस्त मेडिकल स्टॉफ मौजूद रहा।

टारगेट पर आर्मीवाले... डायरी पर 1000 बार लिखवाते- करोड़पति बनना है, सेना की नौकरी छोड़ बन गए ठग, 8 अरेस्ट

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में पुलिस ने एक ऐसे गैंग का पर्दाफाश किया, जो भोले भाले लोगों को जल्दी करोड़पति बनने का झांसा देते थे और ठगी कर लेते थे। हैरानी की बात तो ये है कि इस गैंग के सभी सदस्यों ने सेना की नौकरी छोड़कर ठगी का रास्ता चुना। क्योंकि आरोपी जल्दी अमीर बनना चाहते थे और लोगों को भी यही झांसा देकर उन्हें जाल में फंसाते थे। पुलिस ने इस गैंग के 8 लोगों को गिरफ्तार किया है।

गैंग के सदस्य अलग-अलग राज्यों के लोगों को अपना निशाना बनाते थे। इनका नेटवर्क कई इलाकों में फैला हुआ है। आरोपी लोगों को क्यूनेट/विहान नाम की एक फेक मल्टीलेवल मार्केटिंग कंपनी के जरिए इन्वेस्ट कराने के नाम पर ठगते थे। लोगों से सोना, हीरा और घड़ी जैसे

प्रोडक्ट खरीदने और बेचने के लिए कहा जाता था। ये लोग ज्यादातर सेना के जवानों को अपना निशाना बनाते थे।

सेना में भर्ती थे गैंग के सदस्य

इस गैंग के सदस्य पहले सेना में भर्ती थे। तब उनके साथ ठगी हुई थी और फिर इन्होंने खुद भी इसी रास्ते पर चलना शुरू कर दिया। वह सेना के जवान, पुलिसकर्मियों तक को अपने जाल में फंसाकर फेक कंपनी में निवेश करने के लिए कहते थे। ये कंपनी ई-कॉमर्स और नेटवर्क मार्केटिंग की तरह ही काम करती थी, जिसमें कंपनी के प्रोडक्ट को बेचने और एक टीम बनाने के लिए डीलर को कमीशन और इंसेंटिव दिया था। लेकिन जो लोग इनकी टीम में जुड़ते थे, उन्हें कोई कमीशन नहीं दिया था और न ही इनके पास कोई प्रोडक्ट भेजा जाता था। जबकि उनसे निवेश करा लिया जाता था। ये लोगों से कंपनी के साथ जुड़ने के लिए कम से कम डेढ़ लाख रुपये इनवेस्ट करने के लिए कहते थे। जब लोग पैसा इनवेस्ट कर देते थे तो उस पैसे को बिटकॉइन या डॉलर में बदलकर दुबई भेज दिया जाता था।

दुबई में बैठा है इनका सरगना

इस ठगी करने वाली गैंग का सरगना दुबई में है। वह दुबई से इनसे काम कराता था। ढाई साल में ये लोग करीब 90 लोगों को झांसे में ले चुके हैं और 2 करोड़ की ठगी कर चुके हैं। ठगी का पैसा भी दुबई ही जाता था। आरोपी गूगल मीट पर दुबई में बैठे सरगना के साथ मीटिंग करते थे और पैसा बांटते थे। इसके साथ ही लोगों को एक डायरी देते थे और कहते थे कि डायरी में हजारों बार लिखो 'मुझे करोड़पति बनना है और एक दिन मेरी मनोकामना जरूर पूरी होगी। आरोपी नोएडा की अलग-अलगे सोसाइटी में फ्लैट लेकर रहते थे और वहीं से ये ठगी का धंधा चलाते थे।

पुलिस ने जिन 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया। वह अलग-अलग राज्यों के रहने वाले हैं। इनमेंपहचान पश्चिम बंगाल के विधान डागर, कौशिक डागर, गणेश बेरा, तापस धारा, झारखंड के रहने वाले सतीश शाव, गुजरात के कल्पेश राजू और पंजाब के गुरविंदर सिंह और गुरदीप सिंह के रूप में हुई है। इन आरोपियों के खिलाफ मेघालय, राजस्थान, मणिपुर, मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों में केस दर्ज हैं। इनके पास से पुलिस ने 10 लैपटॉप, 9 टैबलेट, 13 मोबाइल, एक करोड़ रुपये लिखा हुआ चेक, 30 एटीएम कार्ड, 4 घड़ी और 1 कार बरामद की है।

बी यन आई टीआई कॉलेज के प्रबन्धक हुए सम्मानित

आर्यावर्त संवाददाता

सगरा सुंदरपुर । जनपद में सबसे अधिक युवकों को रोजगार देने के लिए जिलाधिकारी प्रतापगढ़ शिव सहाय अवस्थी द्वारा वी यन आई टीआई के प्रबंधक इं भूपेश त्रिपाठी को गवर्नमेंट आईटीआई प्रतापगढ़ में आयोजित विश्व युवा दिवस के अवसर पर प्रशस्ति पत्र एवं मैडल देकर सम्मानित किया इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बी यन आईटीआई कॉलेज निश्चित रूप से प्रतापगढ़ ही नहीं अन्य जिलों के युवको रोजगार देने के लिए वरदान साबित हो रहा है जो प्रतापगढ़ के सम्मान के साथ-साथ प्रदेश में बेरोजगारी को खत्म करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है । इस अवसर पर इंजीनियर भूपेश त्रिपाठी ने कहा कि यह सम्मान बीयन आईटीआई के समस्त स्टाफ एवं अध्यनरत छात्रों का मान सम्मान बढ़ाने का काम किया है जनपद में अपने सर्वाधिक प्लेसमेंट देने के लिए उत्कृष्ट स्थान हासिल करने वाला उत्तर प्रदेश में प्रतापगढ़ जनपद का पहला संस्थान बना है तो आप सभी का महत्वपूर्ण योगदान है सम्मानित किए जाने पर शिवम त्रिपाठी अमर त्रिपाठी अनूप त्रिपाठी सुरेश मिश्रा मदन संजीव तिवारी ने प्रसन्नता प्राप्त किया है।

प्रयागराज और विन्ध्याचल मंडलों के विकास को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बड़ी पहल

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के सर्वांगीण विकास को गति देने के उद्देश्य से सोमवार को सर्किट हाउस, प्रयागराज में विन्ध्याचल एवं प्रयागराज मंडलों के जनप्रतिनिधियों के साथ एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने दोनों मंडलों में चल रही विकास योजनाओं की प्रगति का जायजा लिया और जनप्रतिनिधियों से उनके अनुभवों के आधार पर क्षेत्रीय जरूरतों और प्राथमिकताओं की जानकारी प्राप्त की।मुख्यमंत्री ने बैठक में स्पष्ट किया कि प्रयागराज और विन्ध्याचल मंडल राज्य की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत के प्रमुख केंद्र हैं। इन क्षेत्रों का पुनरुत्थान और समेकित विकास उत्तर प्रदेश की सामाजिक-आर्थिक प्रगति के लिए आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों की जमीनी समझ प्रदेश सरकार के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होती है, इसलिए उनकी सहभागिता से विकास योजनाएं न केवल अधिक प्रभावी बनती हैं, बल्कि जनहित में दूरगामी परिणाम भी देती हैं।बैठक में लोक निर्माण विभाग को सौंपे गए प्रस्तावों की विधानसभावार समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रस्तावों को प्राथमिकता के अनुसार क्रमबद्ध कर उनके क्रियान्वयन की कार्ययोजना जल्द तैयार की जाए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग और धर्मार्थ कार्य विभाग को निर्देशित किया कि इन योजनाओं को समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा किया जाए।मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन परियोजनाओं के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, उनमें ब्लॉक मुख्यालयों तक सड़क संपर्क, इंटर-कनेक्टिविटी सड़कें, धार्मिक स्थलों तक पहुँच मार्ग, लॉजिस्टिक्स हब, बाईपास, आरओबी (रेल ओवर ब्रिज)/अंडरपास, फ्लाईओवर, बड़े और छोटे पुल, रोड सेफ्टी उपाय, सिंचाई संरचनाएं तथा पाण्टून ब्रिज जैसी योजनाएं प्रमुख हैं। ये कार्य भौगोलिक रूप से जटिल क्षेत्रों में कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएंगे और स्थानीय व्यापार व आवागमन में क्रांतिकारी बदलाव लाएंगे।मुख्यमंत्री योगी ने नगर विकास विभाग के अधिकारियों को यह निर्देश भी दिया कि किसी भी परियोजना के प्रस्ताव से पूर्व स्थानीय जनप्रतिनिधियों से चर्चा अवश्य करें, ताकि योजनाएं क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप हों। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों का अनुभव शासन की नीति-निर्माण प्रक्रिया में अमूल्य योगदान देता है। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि सभी परियोजनाओं से जुड़े शिलापट्टों पर संबंधित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि का नाम अवश्य दर्ज किया जाए।बैठक में मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रस्तावित योजनाओं पर कार्यवाही त्वरित रूप से पूरी की जाए, ताकि आगामी 15 सितम्बर के बाद संबंधित कार्यों का भूमिपूजन व शिलान्यास कराकर योजनाओं को धरातल पर उतारा जा सके। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में प्रस्तावित परियोजनाओं की सतत निगरानी करें और उन्हें जनभावनाओं के अनुरूप समय से साकार करने में सक्रिय भूमिका निभाएं।पर्यटन विकास के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री पर्यटन संवर्धन योजना के अंतर्गत पूर्ववत जनप्रतिनिधियों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर कार्यों को गुणवत्ता के साथ समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रयागराज और विन्ध्याचल जैसे क्षेत्र न केवल तीर्थाटन और आध्यात्मिक पर्यटन का केंद्र हैं, बल्कि स्थानीय आजीविका के लिए भी महत्त्वपूर्ण आधार हैं। अतः इन स्थानों पर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराकर पर्यटन को समृद्ध किया जाए।इस अवसर पर औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी', समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव गोंड, मंडल के विभिन्न विधायकगण, सांसदगण तथा शासन और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद रहे। बैठक में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों ने विकास योजनाओं को लेकर अपने सुझाव रखे और सरकार की सहभागिता नीति की सराहना की।

लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में फेरबदल, तीन एसीपी अधिकारियों को नई जिम्मेदारियाँ

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में कानून व्यवस्था को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से आज तीन राजपत्रित पुलिस अधिकारियों की तैनाती में बदलाव किया गया। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट द्वारा जारी आदेश के अनुसार यह फेरबदल प्रशासनिक जरूरतों, अधिकारियों के अनुभव और क्षेत्रीय प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए किया गया है।विनीत सिंह, जो वर्तमान में सहायक पुलिस आयुक्त (लखनऊ) के पद पर कार्यरत थे, अब उन्हें सहायक पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था), लखनऊ की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कानून व्यवस्था से संबंधित यह पद बेहद संवेदनशील और महत्त्वपूर्ण माना जाता है, खासकर राजधानी जैसे बड़े शहर में जहां सार्वजनिक कार्यक्रमों, राजनीतिक गतिविधियों और सुरक्षा व्यवस्थाओं का दायरा व्यापक होता है।इसी तरह सुजीत कुमार दुबे, जो पहले से सहायक पुलिस आयुक्त, मलिहाबाद, लखनऊ के रूप में कार्यरत हैं, को उसी पद पर यथावत बनाए रखा गया है। उनकी अब तक की कार्यशैली और प्रशासनिक नियंत्रण को संतोषजनक मानते हुए उन्हें वर्तमान कार्यक्षेत्र में ही सेवा देने का अवसर दिया गया है। वहीं, अभिनव यादव, जो सहायक पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था), लखनऊ के पद पर तैनात थे, उन्हें अब सहायक पुलिस आयुक्त (यातायात), लखनऊ के पद पर स्थानांतरित किया गया है। लखनऊ जैसे व्यस्त महानगर में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है, और उम्मीद की जा रही है कि अभिनव यादव अपने अनुभव और अनुशासन के साथ इस विभाग में सुधारात्मक भूमिका निभाएंगे।

स्कूल बचाओ आंदोलन को EV ऑटो चालकों का समर्थन, आप ने प्रितपाल सिंह सलूजा को प्रदेश अध्यक्ष किया नियुक्त

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सरकारी स्कूलों को बंद किए जाने के खिलाफ आम आदमी पार्टी द्वारा चलाए जा रहे ₹स्कूल बचाओ आंदोलन₹ को अब इलेक्ट्रिक थ्री व्हीलर ऑटो चालकों का भी व्यापक समर्थन मिल गया है। मंगलवार को आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश ने संगठनात्मक विस्तार की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए प्रितपाल सिंह सलूजा को पार्टी के ऑटो विंग का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया।प्रदेश प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह द्वारा की गई इस नियुक्ति के साथ ही ऑटो यूनियन के हजारों चालकों और उनके परिवारों का समर्थन आम आदमी पार्टी के साथ और मजबूत हो गया है। पदभार ग्रहण करते हुए प्रितपाल सिंह सलूजा ने पार्टी नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी जनहित के मुद्दों पर सदैव मुखर रही है — फिर चाहे वह बिजली के दाम हों, स्कूलों को बंद किए जाने का विरोध हो या आम जनता की रोज़मर्रा की समस्याएं।साल 2021 में बिजली दरों में हुई भारी वृद्धि के खिलाफ ईको गार्डन में हुए जबरदस्त बिजली आंदोलन को याद करते हुए उन्होंने कहा कि उस समय भी EV थ्री व्हीलर ऑटो चालकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था और अब 2 अगस्त को लखनऊ में होने वाले "स्कूल बचाओ आंदोलन" में भी यूनियन के सभी चालक और वाहन स्वामी बड़ी संख्या में भाग लेंगे।सालूजा ने कहा, "सरकारी स्कूलों को बंद करना, प्रदेश के गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। हम इस अन्याय के खिलाफ आम आदमी पार्टी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। हमारी यूनियन प्रदेश के लाखों ऑटो चालकों और उनके परिवारों की आवाज़ है, और हम अपने बच्चों के भविष्य की इस लड़ाई को कमजोर नहीं पड़ने देंगे।"उन्होंने आगे कहा कि सांसद संजय सिंह ने हमेशा ऑटो चालकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उसे संसद और सड़कों पर मजबूती से उठाया है। यूनियन को उम्मीद है कि आगामी दिनों में भी आम आदमी पार्टी उनके मुद्दों पर उतनी ही संजीदगी से ध्यान देगी।

इस अवसर पर आम आदमी पार्टी के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने प्रितपाल सिंह सलूजा को उनकी नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं और भरोसा जताया कि उनके नेतृत्व में पार्टी का ऑटो विंग और अधिक मजबूत होगा तथा जनसरोकारों के आंदोलनों को नया विस्तार मिलेगा।

रियलमी 15 सीरीज़ और बड्स T200 लॉन्च : एआई कैमरा, गेमिंग पावर और स्टाइलिश डिज़ाइन का संगम

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। भारतीय युवाओं में लोकप्रिय स्मार्टफोन ब्रांड रियलमी ने आज रियलमी 15 प्रो 5G और रियलमी 15 5G के साथ नई रियलमी बड्स T200 लॉन्च की हैं। 'एआई पार्टी फोन' के रूप में पेश की गई रियलमी 15 सीरीज़ एडवांस कैमरा फीचर्स, एआई टेक्नोलॉजी और दमदार परफॉर्मेंस के साथ मोबाइल उद्योग में नया मानक स्थापित कर रही है।रियलमी 15 सीरीज़ में 50MP अल्ट्रा-क्लियर ट्रिपल कैमरा और 4K 60FPS वीडियो रिकॉर्डिंग की सुविधा दी गई है। इसमें पहली बार दी गई 'AI एडिट जिनी' टेक्नोलॉजी एक टैप में प्रोफेशनल लेवल एडिटिंग संभव बनाती है। वहीं, नया AI पार्टी मोड कम रोशनी में भी शानदार फोटो कैप्चर करता है और हर पल को जीवंत बना देता है।रियलमी 15 5G में 50MP Sony IMX882 OIS फ्लैगशिप कैमरा और 50MP OV50D फ्रंट कैमरा है, जो रियर और फ्रंट दोनों कैमरों से 4K वीडियो रिकॉर्डिंग में सक्षम है। 2K लाइव फोटो फीचर की मदद से यूज़र्स सोशल मीडिया के लिए बेहतर क्वालिटी की लाइव इमेज शेयर कर सकते हैं।गेमिंग के लिए इसमें डाइमेंसिटी 7300+ 5G चिपसेट, GT बूस्ट AI इंजन, और AI अल्ट्रा टच कंट्रोल जैसे फीचर्स दिए गए हैं, जो हाई-फ्रेम रेट गेमिंग को सहज और प्रतिस्पर्धी बनाते हैं।रियलमी 15 प्रो 5G में सेगमेंट का पहला डीप 4D कर्व+ डिस्प्ले है, जो ब्राइटनेस, स्मूथनेस और ड्यूरेबिलिटी का शानदार संतुलन प्रदान करता है। गोरिल्ला ग्लास और वाटरप्रूफिंग इसकी मजबूती और सुरक्षा को और बढ़ाते हैं।

विद्युत तकनीकी कर्मचारी संघ ने ऊर्जा मंत्री को दिया पूर्ण समर्थन

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। विद्युत तकनीकी कर्मचारी संघ के महामंत्री रामवीर सिंह ने ऊर्जा मंत्री को पत्र लिखकर अपना पूर्ण समर्थन व्यक्त किया है। संघ ने बताया है कि पिछले 20 वर्षों से वह संवैधानिक रूप से कर्मचारियों के हितों की रक्षा और ऊर्जा कार्पोरेशन के निजीकरण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करता आ रहा है।रामवीर सिंह ने स्पष्ट किया कि निजीकरण विरोधी आंदोलन को लेकर बनी संघर्ष समिति द्वारा चलाए गए आंदोलन को अब कुछ बड़े राजनीतिक नेता अपने राजनीतिक लाभ के लिए मोड़ रहे हैं। इस कारण आंदोलन का स्वरूप कर्मचारियों की समस्याओं या निजीकरण के विरोध से अलग होकर राजनीतिक साजिश जैसा प्रतीत हो रहा है।संघ के महामंत्री ने आरोप लगाया कि संघर्ष समिति द्वारा ऊर्जा मंत्री पर लगाए गए आरोप पूरी तरह से गंदी राजनीति से प्रेरित हैं। यह एक सोची-समझी और पूर्व नियोजित राजनीतिक साजिश है, जिसका उद्देश्य ऊर्जा मंत्री और विभाग की छवि को नुकसान पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि विद्युत तकनीकी कर्मचारी संघ पूरी तरह से ऊर्जा मंत्री के साथ खड़ा है और उनके नेतृत्व की प्रशंसा करता है।रामवीर सिंह ने ऊर्जा मंत्री द्वारा पिछले तीन वर्षों में विभाग का जो शालीन, सरल और सशक्त नेतृत्व किया है, उसकी सराहना की और इसे अवर्णनीय व अतुलनीय बताया। उन्होंने कहा कि ऊर्जा मंत्री ने विभाग को दक्षता और पारदर्शिता के साथ संभाला है, जिससे ऊर्जा क्षेत्र में सुधार हुआ है।संघ का मानना है कि मंत्री कर्मचारी हितों और जनहित को ध्यान में रखते हुए ऐसे महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक निर्णय लेंगे, जो ऊर्जा क्षेत्र में समरसता और सद्भावना को बढ़ावा देंगे। इससे न केवल विभाग का विकास होगा, बल्कि उत्तर प्रदेश भी उत्तम प्रदेश बनने की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ेगा।विद्युत तकनीकी कर्मचारी संघ की यह स्पष्ट अभिव्यक्ति इस समय संघर्ष समिति के आंदोलन के राजनीतिकरण के विरोध और ऊर्जा मंत्री के पक्ष में एक मजबूत संदेश के रूप में सामने आई है। संघ ने कहा है कि कर्मचारी हितों की रक्षा के लिए संवैधानिक और संगठित तरीके से ही संघर्ष किया जाना चाहिए, न कि राजनीतिक खेलों का हिस्सा बनकर।इस प्रकार संघ ने ऊर्जा मंत्री के प्रति पूर्ण विश्वास जताते हुए क्षेत्र में शांति, विकास और सकारात्मकता बनाए रखने का संकल्प दोहराया है।

सुशान्त गोल्फ सिटी में बाज नहीं आ रहे स्टंट बाज

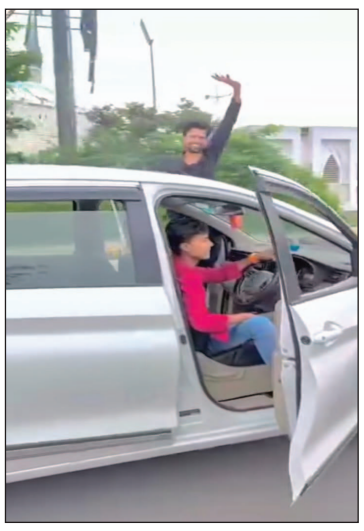

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में स्थित इकाना स्टेडियम के बाहर एक बार फिर खतरनाक स्टंट का मामला मंगलवार को सामने आया है। सड़क पर चलती अर्टिगा कार के दरवाजे खोलकर युवकों ने स्टंट किया। इस दौरान बनाया गया वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

स्थानीय पुलिस ने वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, वीडियो में दिख रहे युवकों और वाहन की पहचान की जा रही है। यह पहली बार नहीं है जब इस स्थान पर ऐसा स्टंट किया गया हो। इससे पहले भी इकाना स्टेडियम के बाहर कई खतरनाक स्टंट के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। इस तरह के स्टंट से दुर्घटना होने के साथ जान जाने का खतरा भी बना रहता है। फिर भी लोग स्टंट करने से बाज नही आ रहे है।

जोन-7 का नगर आयुक्त ने किया औचक निरीक्षण, सफाई में लापरवाही पर 5 लाख का जुर्माना

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने मंगलवार को जोन-7 के अंतर्गत आने वाले विभिन्न क्षेत्रों का औचक निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था, डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन तथा फील्ड स्टाफ की उपस्थिति की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई, जिस पर नगर आयुक्त ने नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों को त्वरित सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण की शुरुआत लवकुश नगर क्षेत्र से हुई, जहां पड़ाव घर के पास कूड़ा जमा पाया गया। नगर आयुक्त ने तत्काल साफ-सफाई कराने और निगरानी बढ़ाने को कहा। आम्रपाली चौराहा और वक्फ मार्केट जैसे व्यस्त मार्गों पर भी सफाई में लापरवाही दिखी, जिस पर सफाई की आवृत्ति बढ़ाने और निगरानी तंत्र को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए।स्माइलगंज चौकी के पास कूड़े का जमाव और डोर-टू-डोर कलेक्शन में अनियमितता पाई गई, जिस पर नगर आयुक्त ने तुरंत सफाई कराने और व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए। सुषमा हॉस्पिटल से कमता चौराहा तक सर्विस लेन में सफाई की स्थिति कमजोर पाई गई, जहां दो शिफ्टों में सफाई कर्मचारियों की तैनाती के निर्देश दिए गए।सुरेंद्रनगर, कमता मार्ग और स्माइलगंज सेकंड (गहमर कुंज) में भी नागरिकों से फीडबैक के आधार पर डोर-टू-डोर सेवाओं में सुधार की जरूरत जताई गई। सिल्वर लाइन अपार्टमेंट के आसपास भी सफाई में लापरवाही मिली, जिस पर नगर आयुक्त ने सेवा निरंतरता और नागरिक संवाद पर बल दिया।निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त ललित कुमार, जोनल सेनेटरी अधिकारी देवेंद्र कुमार वर्मा, एलएसए अधिकारी और अन्य फील्ड स्टाफ मौके पर मौजूद रहे। निरीक्षण के अंत में नगर आयुक्त ने लापरवाही के लिए जोन-7 की एलएसए एजेंसी पर ₹5 लाख का जुर्माना लगाया। इसके अलावा स्माइलगंज में तैनात कार्यदाई संस्था एमएस संतोष सिंह पर ₹10 हजार का जुर्माना लगाया गया और जोनल सेनेटरी अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। नगर आयुक्त ने स्पष्ट किया कि सफाई व्यवस्था में किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सुधार के लिए ज़मीनी स्तर पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

नागपंचमी पर आयोजित दंगल में दांव आजमाते पहलवान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। सुशान्त गोल्फ सिटी के सरसवां गांव में नागपंचमी के अवसर पर मंगलवार को आयोजित दंगल में पहलवानों ने ताल ठोक कर अपने प्रतिद्वन्दी के पटकनी दी। इस गांव में करीब सात दशक से दंगल का आयोजन होता है। मंगलवार को गांव के इस अखाड़े में गोरखपुर, बनारस कानपुर उन्नाव लखनऊ रायबरेली, सहित कई अन्य जिलों से आये पहलवानों ने अखाड़े में ताल ठोक कर अपना दांव आजमाया। गोरखपुर जिले से आये पहलवान सौरभ ने उन्नाव से आये दिलीप, कानपुर से आये पंकज आदि जगहों से पहलवानों ने अपने प्रतिद्वन्दी पहलवान को पटकनी देकर कुश्ती में जीत दर्ज की। अखाड़े में विजेता पहलवानों को ठाकुर उदय सिंह चौहान ने नकद उपहार व अंगवस्त देकर सम्मानित किया। इस दौरान क्षेत्र के संभ्रात लोगो मे जवाहर सिंह, पन्ना सिंह अभिमन्यू सिंह, राकेश सिंह सहित सैकड़ों की संख्या में कुश्ती प्रेमी मौजूद रहे।

रहीमाबाद में जमीन विवाद को लेकर युवक की निर्मम हत्या, छह नामजद आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी के रहीमाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बख्तौरीपुर में जमीन के पुराने विवाद को लेकर मंगलवार की सुबह एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई, जिसमें 32 वर्षीय युवक अमन दीक्षित की बीती रात बेरहमी से हत्या कर दी गई। मृतक के परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने छह लोगों को नामजद करते हुए हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर छापेमारी शुरू कर दी गई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना की सूचना थाना रहीमाबाद को 29 जुलाई की सुबह प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही थाना स्थानीय पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचा। घटनास्थल पर अमन दीक्षित का शव मिला, जिसे पुलिस ने कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरवाते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह हत्या जमीन के बंटवारे और कब्जे को लेकर चल रहे विवाद का नतीजा है, जो काफी समय से मृतक के परिवार और आरोपी पक्ष के बीच चला आ रहा था।मृतक के परिजनों का आरोप है कि रात में सुनियोजित ढंग से अमन पर हमला किया गया। उन्होंने थाना रहीमाबाद में जो तहरीर दी, उसके आधार पर मुकदमा संख्या 123/2025, धारा 103(2) बीएनएस के तहत छह लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया गया है। नामजद अभियुक्तों में पंकज, मंजू दीक्षित, नीरज दीक्षित, सपना दीक्षित, कल्पना दीक्षित और विमलेश दीक्षित शामिल हैं। सभी आरोपी वारदात के बाद से फरार बताए जा रहे हैं।थाना प्रभारी रहीमाबाद ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए उच्चाधिकारियों को सूचित कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्राप्त किए जा चुके हैं। हत्या की जांच को प्रभावी बनाने के लिए पुलिस द्वारा एक विशेष टीम का गठन किया गया है, जो आरोपियों की गिरफ्तारी और साक्ष्य संकलन की दिशा में तत्परता से कार्य कर रही है।घटना के बाद से गांव में तनाव का माहौल है, जिसे नियंत्रित करने के लिए पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है, वहीं आसपास के ग्रामीणों में भय और आक्रोश का माहौल देखा जा रहा है।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी कर मामले का पर्दाफाश किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। हत्या की यह घटना न केवल क्षेत्र में सनसनी का विषय बन गई है, बल्कि एक बार फिर ग्रामीण क्षेत्रों में जमीन विवादों की भयावहता को उजागर करती है।

पिछड़े वर्ग छात्रावासों के अनुरक्षण के लिए 499 .33 लाख रुपये की स्वीकृति, नौ जिलों में कार्य होंगे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने पिछड़े वर्ग के छात्र-छात्राओं को बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के अनुरूप प्रदेश के नौ जिलों में स्थित दस छात्रावासों के अनुरक्षण कार्यों के लिए लगभग 499.33 लाख रुपये की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। यह योजना वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत संचालित होगी, जिसमें छात्रावासों की मरम्मत, रंगाई-पुताई, विद्युत व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति और शौचालयों की सुधार सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं का समावेश होगा।इस योजना के तहत लखनऊ, प्रयागराज, बहराइच, गोंडा, महोबा, हमीरपुर, मुरादाबाद, मेरठ एवं संतरविदासनगर के प्रमुख शिक्षण संस्थानों के छात्रावासों में रहने वाले पिछड़े वर्ग के छात्र-छात्राओं को बेहतर और सुरक्षित वातावरण प्रदान किया जाएगा।

रोटरी क्लब ऑफ लखनऊ ट्रांसगोमती ने लोक बंधु अस्पताल को ₹8 .5 लाख की आई-ब्रेस्ट स्क्रीनिंग मशीन भेंट की

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। रोटरी क्लब ऑफ लखनऊ ट्रांसगोमती ने अध्यक्ष रोटेरियन पूर्वी मित्तल के नेतृत्व में लोक बंधु अस्पताल, लखनऊ को अत्याधुनिक आई-ब्रेस्ट स्क्रीनिंग मशीन (मैमोग्राफी मशीन) प्रदान की है। यह मशीन ₹8.5 लाख मूल्य की है और क्लब के सदस्यों के सहयोग से खरीदी गई है।यह आधुनिक मशीन रेडिएशन-फ्री तकनीक पर आधारित है और उपयोग में अत्यंत सरल है, जो महिलाओं में स्तन कैंसर की प्रारंभिक अवस्था में पहचान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे जल्द निदान संभव हो सकेगा, जिससे बेहतर इलाज संभव होगा और जीवन रक्षा में सहायता मिलेगी।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रश्मि सिंह, आईएएस, जिन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए क्लब के प्रयासों की प्रशंसा की, उपस्थित रहीं। उन्होंने कहा कि रोटरी क्लब लखनऊ ट्रांसगोमती जनकल्याण और स्वास्थ्य क्षेत्र में निरंतर सक्रिय है और इस तरह के दान समाज के लिए प्रेरणादायक हैं।लोक बंधु अस्पताल की निदेशक संगीता गुप्ता ने इस उपहार के लिए रोटरी क्लब का आभार व्यक्त किया और कहा कि इस मशीन से अस्पताल की स्त्री रोग सेवाओं को मजबूती मिलेगी और स्तन कैंसर के मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।कार्यक्रम में क्लब के सचिव विनोद सिंह, कोषाध्यक्ष इला गम्भीर, कार्यकारी निदेशक सुधीर एस. हलवासिया, पूर्व अध्यक्ष पंकज मित्तल सहित क्लब के सभी सदस्यगण भी उपस्थित रहे। इस पहल से न सिर्फ अस्पताल की क्षमता में वृद्धि होगी, बल्कि महिलाओं के स्वास्थ्य संरक्षण के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय सुधार आएगा।रोटरी क्लब ऑफ लखनऊ ट्रांसगोमती की यह पहल सामाजिक स्वास्थ्य सुधार में उनके समर्पण और सक्रियता का उदाहरण है।

12 हजार नौकरियों में कटौती कर रही है टीसीएस

टीसीएस ने हाल ही में अपने वैश्विक कार्यबल में लगभग 2% (करीब 12,000–12,261) कर्मचारी निकालने की घोषणा की है, जो मध्य और वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों को अधिक प्रभावित करेगी। हालांकि कुछ रिपोर्ट्स में इसे एआई चालित तकनीकी बदलावों का नतीजा बताया जा रहा है, लेकिन कंपनी के सीईओ ने स्पष्ट किया है कि यह मूलतः स्किल मिसमैच (skill mis-match) की वजह से किया जा रहा है, न कि सीधे AI द्वारा ऑटोमेशन की वजह से। हम आपको बता दें कि टीसीएस के CEO ने कहा है कि यह AI की वजह से नहीं है बल्कि यह कर्मचारी की स्किल्स और कंपनी की डिमांड के बीच असंगति की वजह से है।

हम आपको बता दें कि टीसीएस के कर्मचारियों की संख्या 30 जून, 2025 तक 6,13,069 थी। टीसीएस ने एक बयान में कहा है कि यह कदम कंपनी की भविष्य के लिए तैयार संगठन बनने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। इसके तहत नई तकनीक के क्षेत्रों में निवेश, नए बाजारों में प्रवेश, ग्राहकों और स्वयं के लिए बड़े पैमाने पर एआई का उपयोग, साझेदारियों को मजबूत करना, अगली पीढ़ी के बुनियादी ढांचे का निर्माण और अपने कार्यबल मॉडल को पुनर्गठित करने पर ध्यान दिया जाएगा। कंपनी ने कहा, "इस यात्रा के एक भाग के रूप में, हम संगठन से उन सहयोगियों को भी हटाएंगे जिनकी तैनाती संभव नहीं हो सकती है। इसका प्रभाव हमारे वैश्विक कार्यबल के लगभग दो प्रतिशत पर पड़ेगा। इसमें मुख्य रूप से मध्यम और वरिष्ठ श्रेणी के अधिकारी होंगे।" हालांकि टीसीएस ने प्रभावित कर्मचारियों को उचित लाभ, क्षतिपूर्ति, परामर्श और सहायता देने का आश्वासन दिया है लेकिन बड़े पैमाने पर होने वाली इस छंटनी ने बाजार में हलचल मचा दी है।

यह सवाल तेजी से उठ रहा है कि क्या एआई नौकरियां छीन रहा है? इसके बारे में विश्लेषकों की राय है कि AI led disruptions और बदलती बिजनेस डिमांड के चलते IT कंपनियों को अपनी संरचना बदलनी पड़ रही है। इसलिए, सीधे AI के कारण नौकरी चली गई, ऐसा कहना ठीक नहीं होगा; बल्कि यह टेक्नोलॉजी परिवर्तन, मांग में गिरावट और स्किलिंग की कमी का मिश्रित परिणाम है। वैश्विक परिदृश्य को देखें तो Goldman Sachs का अनुमान है कि दुनिया भर में 300 मिलियन पूर्णकालिक नौकरियां AI और ऑटोमेशन से प्रभावित हो सकती हैं। वहीं World Economic Forum की रिपोर्ट के अनुसार, 2030 तक 92 मिलियन नौकरियां खत्म हो सकती हैं, लेकिन 170 मिलियन नई नौकरियां भी पैदा हो सकती हैं। इसके अलावा, UNCTAD और अन्य रिपोर्ट्स ग्लोबली लगभग 40% नौकरियों को AI से नजदीकी भविष्य में जोखिम में बताते हैं। वहीं कुछ विश्लेषकों ने अनुमान लगाया है कि 2025 में भारत में 12–18 मिलियन लोग AI चालित ऑटोमेशन की वजह से नौकरियों से वंचित हो सकते हैं। इसके अलावा, Atomberg के संस्थापक ने चेतावनी दी है कि भारत में 40–50% व्हाइट कालर नौकरियां, विशेषकर IT और BPO क्षेत्रों में खतरे में हैं, जिससे मध्य वर्ग की आर्थिक स्थिति को बड़ा झटका लग सकता है। इसके अलावा, बताया जा रहा है कि 2025 के अंत तक 85 मिलियन नौकरियां ग्राउंड रियलिटी में AI ऑटोमेशन से प्रभावित हो सकती हैं। रिपोर्टों में यहां तक दावा किया गया है कि दुनियाभर में लगभग 14 मिलियन नौकरियां पहले से ही AI के कारण जा चुकी हैं। रिपोर्टें यह भी बताती हैं कि भारत के स्टार्टअप क्षेत्र में सिर्फ शुरुआती 5 महीनों में 3,600+ कर्मचारियों की बर्खास्तगी हुई है, जिसमें AI की वजह से cost cutting की भूमिका भी रही है। देखा जाये तो AI किसी की नौकरी नहीं ले इसके लिए जरूरी है कि स्किल को अपग्रेड किया जाये इसके लिए डिजिटल लिटरेसी, AI complementary कौशल जैसे डेटा साइंस, AI ethics, टीमवर्क आदि की मांग बढ़ रही है।

हम आपको यह भी बता दें कि एक हालिया सर्वेक्षण से पता चला है कि अमेरिका में बड़ी संख्या में कर्मचारी अपनी दैनिक कार्यप्रणाली में AI को शामिल कर रहे हैं और इसके बारे में अपने बॉस को सूचित नहीं कर रहे हैं। Gusto द्वारा विभिन्न उद्योगों के 1,000 अमेरिकी कर्मचारियों पर किए गए सर्वेक्षण में सामने आया कि 80% कर्मचारी कार्यस्थल पर AI का उपयोग कर रहे हैं, जिनमें से 36% इसे अपनी नौकरी के लिए ₹अनिवार्य₹ मानते हैं। सर्वे के मुताबिक 45% कर्मचारियों ने प्रबंधकों को बताए बिना AI का उपयोग किया, खासतौर पर जेन Z और तकनीकी क्षेत्र के कर्मचारियों ने। 66% कर्मचारी स्वयं AI टूल्स के लिए भुगतान कर रहे हैं, जो बताता है कि कार्यबल में तकनीक का उपयोग जमीनी स्तर पर बढ़ रहा है। सर्वे के मुताबिक, हर चार में से एक कर्मचारी ने स्वीकार किया कि उन्होंने भर्ती प्रक्रिया के दौरान AI कौशल को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत किया। मगर अधिकांश ने नौकरी मिलने के बाद ये कौशल सीखे। यह प्रवृत्ति बताती है कि AI-लिटरेट दिखने का दबाव तेजी से बढ़ रहा है, जबकि औपचारिक प्रशिक्षण तक पहुंच सीमित है।

चीन और पाकिस्तान का पक्का इलाज करने के लिए सेना बना रही है रुद्र ब्रिगेड और भैरव बटालियन

संसद के मानसून सत्र में विपक्ष के हंगामे और कामकाज ठप होने पर जालंधर से प्रकाशित 'अजीत' लिखता है- संसद में पहले ही दिन इतना हंगामा क्यों मचा, जबकि सत्र से पहले इस बात पर पूरी सहमति थी कि सभी दलों की भागीदारी से महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा होगी।

नीरज कुमार दुबे

हम आपको बता दें कि रुद्र ब्रिगेड मौजूदा दो इन्फैंट्री ब्रिगेड्स को रूपांतरित करके तैयार की जा रही हैं। इनका उद्देश्य एक ही संरचना में सभी युद्धक शाखाओं को एकीकृत करना है, ताकि सीमाई हालात में अतिरिक्त सैनिक तैनात करने की आवश्यकता न पड़े।

भारतीय सेना अपनी युद्धक क्षमताओं को और अधिक सशक्त बनाने के लिए बड़े पैमाने पर पुनर्गठन कर रही है। हम आपको बता दें कि सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने घोषणा की है कि सेना नई 'रुद्र ब्रिगेड' और 'भैरव लाइट कमांडो बटालियन' का गठन कर रही है। देखा जाये तो यह कदम भारत-चीन और भारत-पाकिस्तान की सीमाओं पर तेजी से प्रतिक्रिया देने और भविष्य की युद्ध चुनौतियों का सामना करने की दिशा में एक बड़ा बदलाव है।

हम आपको बता दें कि रुद्र ब्रिगेड मौजूदा दो इन्फैंट्री ब्रिगेड्स को रूपांतरित करके तैयार की जा रही हैं। इनका उद्देश्य एक ही संरचना में सभी युद्धक शाखाओं को एकीकृत करना है, ताकि सीमाई हालात में अतिरिक्त सैनिक तैनात करने की आवश्यकता नहीं पड़े। इसमें इन्फैंट्री, मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री, टैंक, आर्टिलरी, स्पेशल फोर्सेस, ड्रोन और लॉजिस्टिक सपोर्ट यूनिट्स शामिल होंगे। इन ब्रिगेड्स को एकीकृत कमांड स्ट्रक्चर के तहत रखा जाएगा, जिससे युद्ध के दौरान विभिन्न शाखाओं में बेहतर समन्वय हो सके। ब्रिगेड की संरचना ऑपरेशनल क्षेत्र और भूमिका के आधार पर अलग-अलग होगी।

मैदानी इलाकों में मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री, टैंक रेजीमेंट और स्वचालित आर्टिलरी के साथ तेज़ गति वाले आक्रामक ऑपरेशन किये जा सकेंगे। वहीं पहाड़ी क्षेत्रों में इन्फैंट्री बटालियन और हाई-एल्टीट्यूड युद्ध के लिए सक्षम आर्टिलरी इकाइयां काम आयेंगी। हम आपको बता दें कि प्रत्येक रुद्र ब्रिगेड में ड्रोन आधारित निगरानी, एरिया सैचुरेशन वेपन और रियल-टाइम इंटेलिजेंस का समावेश होगा। इससे सीमाई परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया देने की क्षमता बढ़ेगी।

भैरव लाइट कमांडो बटालियन के बारे में जानें

वहीं भैरव लाइट कमांडो बटालियन की बात करें तो आपको बता दें कि रुद्र ब्रिगेड्स के साथ-साथ सेना 'भैरव लाइट कमांडो बटालियन' भी बना रही है। ये पारंपरिक स्पेशल फोर्सेस की तरह गहरे रणनीतिक ऑपरेशन पर केंद्रित नहीं होंगी, बल्कि सीमाई क्षेत्रों में त्वरित आक्रमण, गतिशीलता और तेज़ प्रभाव पैदा करने के लिए तैनात की जाएंगी। ये बटालियन हल्की, चपल और छोटे पैमाने पर त्वरित ऑपरेशनों में विशेषज्ञ होंगी। ये बटालियन हमेशा तैयार रहेंगी ताकि सीमा पर दुश्मन को चौंका सकें।

हम आपको बता दें कि भारतीय सेना की मौजूदा 250 सिंगल-आर्म ब्रिगेड्स (लगभग 3,000 सैनिकों वाली) को सभी युद्धक शाखाओं से लैस ब्रिगेड्स में बदला जा रहा है। ये नई संरचनाएं लॉजिस्टिक सपोर्ट के साथ आत्मनिर्भर होंगी। प्रारंभिक चरण में इन्हें सीमित संख्या में तैयार किया जा रहा है। यह अवधारणा सेना की पुरानी इंटीग्रेटेड बैटल ग्रुप (IBG) योजना पर आधारित है।

क्यों जरूरी हैं रुद्र ब्रिगेड और भैरव बटालियन? जहां तक यह सवाल है तो आपको बता दें कि भारत की सीमाएं चीन और पाकिस्तान जैसे दो मोर्चों पर सक्रिय खतरों से घिरी हुई हैं। भविष्य के युद्ध तेज गति और बहु-दिशात्मक हमलों की मांग करते हैं। इन नई इकाइयों से सेना तेज तैनाती (12-48 घंटे), बेहतर समन्वय और उन्नत अग्नि-शक्ति के साथ दुश्मन को जवाब दे सकेगी।

इंटीग्रेटेड बैटल ग्रुप (IBG) को देखें तो आपको बता दें कि IBG पारंपरिक ब्रिगेड से बड़ी और डिवीजन से छोटी स्व-निर्भर युद्ध इकाई होती है (करीब 5,000 सैनिक)। इसमें इन्फैंट्री, आर्मर्ड, आर्टिलरी, इंजीनियर और सपोर्ट सर्विसेज शामिल होते हैं। इसका उद्देश्य है कि किसी भी आक्रमण की स्थिति में 12-48 घंटे में तैनाती की जा सके। फिलहाल दो IBG बनाए जाने की योजना है: 9 कॉर्प्स (पाकिस्तान सीमा पर), 17 स्ट्राइक कॉर्प्स (चीन सीमा पर)

हम आपको बता दें कि भारतीय सेना का भविष्य दृष्टिकोण तकनीक आधारित तेज़ युद्धक क्षमता पर आधारित है। इसलिए सेना ने हाल के वर्षों में युद्धक क्षमताओं को आधुनिक बनाने पर जोर दिया है। जैसे- ड्रोन प्लाटून अब अधिकांश इन्फैंट्री बटालियनों का हिस्सा हैं। आर्टिलरी रेजीमेंट को लॉइटरिंग म्युनिशन (Divyastra कार्यक्रम) से लैस किया गया है। रुद्र ब्रिगेड और भैरव बटालियन इन तकनीकों को एकीकृत कर युद्ध में सटीकता और तेजी लाएंगी।

भारतीय सेना की युद्ध रणनीति में जो बड़े बदलाव स्पष्ट नजर आ रहे हैं वह हैं- सेना अब पारंपरिक धीमी गति वाले ऑपरेशनों से हटकर तेज, लचीले और बहु-आयामी हमलों पर जोर दे रही है। रुद्र ब्रिगेड और भैरव बटालियन भारत को चीन और पाकिस्तान दोनों सीमाओं पर तेज़ प्रतिक्रिया देने में सक्षम बनाएंगी। ड्रोन, रियल-टाइम निगरानी और नेटवर्क आधारित युद्धक क्षमता सेना को फ्यूचर-रेडी बनाएगी। इन ब्रिगेड्स को अलग से सैनिक या सपोर्ट भेजने की आवश्यकता नहीं होगी, जिससे प्रतिक्रिया समय घटेगा।

बहरहाल, रुद्र ब्रिगेड और भैरव लाइट कमांडो बटालियन का गठन भारतीय सेना की युद्ध रणनीति में क्रांतिकारी बदलाव है। यह न केवल सेना की आक्रामक और रक्षात्मक क्षमताओं को बढ़ाएगा, बल्कि यह संदेश भी देगा कि भारत अब तेजी, सटीकता और तकनीक से लैस युद्धक शक्ति के साथ भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार है।

अजब-गजब

बदनाम घर" में जॉब का मिला ऑफर, काम से कॉन्फिडेंस हुआ हाई... फिर महिला ने खोला चौंकाने वाला राज

मजबूरी में इंसान न जाने क्या-क्या कर जाता है. गरीबी में कोई भीख मांगने लगता है, तो कोई गलत रास्ते पर भी चल पड़ता है. कई बार तो ऐसा होता है कि इंसान अपनी जरूरतों के लिए दूसरों के सामने हाथ फैलाना शुरू कर देता है. यूं तो आपने ऐसी कई संघर्ष की कहानियों के बारे में पढ़ा और सुना होगा, लेकिन इन दिनों जो किस्सा सामने आया हैउसने हर किसी को हैरान कर दिया. ऑस्ट्रेलिया की रहने वाली क्रिस्टल गैलट्री की ज़िंदगी में भी एक वक्त ऐसी ही चुनौती आ गई थी.

अपनी कहानी के बारे में गैलट्री ने बताया कि क्रिस्टल आज एक सक्सेसफुल कंटेंट क्रिएटर हैं, लेकिन यह मुकाम मैंने एक मुश्किल और जटिल रास्ते से हासिल किया है. महामारी के दौर में उनकी अच्छी-खासी नौकरी चली गई. ये समय थोड़ा मुश्किल था क्योंकि यहां अपने गुजारे के लिए मुझे दूसरों के सामने हाथ फैलाने पड़ते थे. ऐसे में एक अंजान शख्स ने मुझे नौकरी का ऑफर दिया. जिसने मेरे सामने बस इतनी सी शर्त रखी कि मुझे अच्छा दिखना है और इसके लिए मैं राजी हो गई. हालांकि जब मैं पहली बार उस जगह पहुंचीं, तो मैंने खुद को एक बेहद अलग और चौंका देने वाली दुनिया में पाया.

हालांकि इस घर की असलियत मुझे उस समय पता चली जब मैं उस बदनाम घर में पहुंची. जहां मुझे डोर गर्ल के तौर पर काम करना था यानी वहां आने वाले ग्राहकों को एंट्री देना, कमरे चेक करना और टाइम मैनेज करना. हालांकि यहां मेरा काम और व्यवहार देखने के बाद मुझे 'मैडम' की जिम्मेदारी मिल गई जो उस पूरे घर का प्रबंधन करती है. अपनी इस जिम्मेदारी के दौरान मैंने अडल्ट इंडस्ट्री के छिपे पहलुओं और सच्चाइयों को बहुत नजदीक से देखा. यहां सबसे चुनौतीपूर्ण वो महिलाएं थीं, जो मानसिक या भावनात्मक परेशानियों के साथ यहां आती थीं. क्रिस्टल ने आगे कहा कि यहां आने वाले कई ग्राहक समाज में प्रतिष्ठित, अमीर और जिम्मेदार लोग होते थे. अब भले ही समाज देह व्यापार को गलत नजरिए से देखता हो लेकिन मेरे लिए ये एक ऐसा माध्यम है, जिसके सहारे लोग अपने खोए हुए आत्मविश्वास को वापस पा सकते हैं. हाल ही में वे यूट्यूबर @dannyrants के पॉडकास्ट में भी आईं, जहां उन्होंने इंडस्ट्री से जुड़े अनसुने पहलुओं पर खुलकर बात की.

ब्लॉग

5 हजार सरकारी स्कूल बंद करके, विश्व गुरु बनेगा भारत?

भारत भूषण अड़जरिया

उत्तर प्रदेश में 5000 सरकारी स्कूलों को बंद करने के खिलाफ हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की गई है। याचिका में कहा गया कि सरकार के इस कदम से राज्य में तीन लाख पचास हजार से ज्यादा छात्रों को निजी स्कूलों में दाखिला लेने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। शिक्षा किसी भी राष्ट्र के विकास की नींव होती है। एक मजबूत शिक्षा प्रणाली एक कुशल कार्यबल, नवाचार और आर्थिक विकास को बढ़ावा देती है।

चूँकि इस देश में प्राथमिक शिक्षा को राजनीतिक एजेंडे में कोई प्राथमिकता नहीं दी जाती, इसलिए दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला यह देश अभी भी निरक्षरता और खराब शिक्षा से जूझ रहा है। हाल ही में प्रकाशित आठवीं इंडिया स्किल रिपोर्ट के अनुसार, ऐसे देश में, जहाँ धर्म और धार्मिक पहचान जनता और सरकार दोनों के लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं, 50 प्रतिशत से ज़्यादा स्नातकों का रोज़गार के योग्य न होना कोई आश्चर्य की बात नहीं है।

इस साल फरवरी में केंद्र सरकार ने बताया था कि पिछले 10 साल में यूनेस्को में 89 हजार सरकारी स्कूल बंद हो गए हैं। इनमें से अधिकांश 25 हज़ार स्कूल अकेले उत्तर प्रदेश से थे। 5 हजार स्कूल और बंद हमारे दिल पर मोर लोड ना आए इसलिए योगी सरकार ने स्कूल बंद करने की इस स्कॉच को नाम दिया है पेअरिंग स्कॉच। वर्ष 2015-16 में उत्तर प्रदेश में करीब 1 लाख 62 हजार प्राथमिक विद्यालय थे। जो साल 2021-22 में 1 लाख 40 हजार ही रह गए। यानी 2015-16 के मुकाबले में ये संख्या कम हो गई। सरकार का तर्क है कि जिन स्कूलों में बच्चों की संख्या 50 से कम है, उन्हें बंद कर देना ही बेहतर है। लेकिन सवाल ये है कि आखिर ये स्कॉटिश बच्चे क्यों नहीं हैं? क्या बच्चों की संख्या आपके-आप कम हो गई, या इसके पीछे सरकार की नीतियां जिम्मेदार हैं? ईटीवी-भारत न्यूज़ वेबसाइट के अनुसार यू-डीआईएसई पोर्टल के आधार पर जो आंकड़े सामने आए हैं, वो देखने वाले हैं। आंकड़ों के मुताबिक, प्रदेश में करीब 30,000 प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय ऐसे हैं, जो जर्जर स्थिति में हैं। जहां 742 स्कूल पूरी तरह से खराब खंडहर हैं। इसके बाद 690-690 में जंगल और जंगल में 674, ग़रीब में 643, 641 में ग़रीब में और 633 में बलिया में कब्ज़ा की स्थिति बेहद खस्ता है। इन स्कूलों में बच्चों के लिए न तो अधूरा निर्माण है, न शौचालय, न पीने का पानी और न ही चारदीवारी। कभी मिड-डे मील का सामान नहीं आता, तो कभी छत टपकती है। स्थानीय बिजली नहीं। कभी-कभी स्कूल में ही जूते डूब जाते हैं। तो ऐसे रसोई में किसी ने भी अपने बच्चों को क्यों भेजेगा? जब स्कूल में टीचर ही नहीं होंगे तो पढ़ाई कैसे होगी? जिन शिक्षकों में शिक्षक तैनात हैं, वहां उनकी ड्यूटी चुनाव, सर्वेक्षण, योजना या धार्मिक आयोजनों में लगाई जाती है। स्कूल सिर्फ रिकॉर्ड में है। क्लासरूम बंद होता है, परिसर सूना रहता है। फिर जब बच्चों की पढ़ाई नहीं होती, तो परिवार वाले अपने बच्चों को या तो प्राइवेट स्कूलों में दाल देते हैं या फिर पढ़ाई ही छुड़वा देते हैं। यानी धीरे-धीरे सरकारी स्कूल के बच्चे आना ही बंद कर देते हैं। फिर एक दिन शासन की रिपोर्ट आती है 'छात्र संख्या कम है, स्कूल बंद कर दिया जाएगा।'

बाकी जो स्कूल चल रहे हैं उनमें भी बार-बार सुरक्षा के नाम पर छुट्टियाँ घोषित कर दी जाती है। उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा अब बस एक धार्मिक परंपरा नहीं रही, ये एक सरकारी आयोजन संस्था बन चुकी है। हर साल जैसे ही सावन आता है, प्रदेश का पूरा सरकारी तंत्र एक ही दिशा में दौड़ता है- तीर्थयात्रियों की सेवा। स्वास्थ्य विभाग से लेकर जिला प्रशासन तक, स्वास्थ्य विभाग से लेकर नगर निगम तक, हर विभाग को आदेश दिया जाता है कि ₹कांवड़ियों की सुविधा में कोई कमी नहीं होनी चाहिए।₹ जगह-जगह कैंप, मेडिकल कैंप, मोबाइल स्टेडियम, मिस्ट फैन, नमक-पानी तक डाला जाता है। और ये सब फंडिंग आती है सरकारी खज़ाने से।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा कोविड-19 के बाद की शिक्षा की स्थिति का आकलन करने के लिए वैश्विक शिक्षा से संबंधित एक विशेष बैठक आयोजित करने के बाद जारी एक बयान के अनुसार, कोविड महामारी ने पिछले 20 वर्षों में पूरी दुनिया में शिक्षा के क्षेत्र में हासिल की गई उपलब्धियों को मिटा दिया है। दुनिया भर में 10 करोड़ से अधिक अतिरिक्त बच्चे पढ़ने-लिखने के न्यूनतम स्तर से वंचित हो गए हैं। रिपोर्ट इस तथ्य को भी सामने लाती है कि इस वैश्विक स्थिति की पृष्ठभूमि में, यह समझना मुश्किल नहीं है कि कोविड के समय में भारत में कितने कम छात्र इंटरनेट के माध्यम से पढ़ाई कर पाए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, देश के ग्रामीण इलाकों में केवल 18 प्रतिशत के पास इंटरनेट की सुविधा थी, लेकिन उनमें से कितने वास्तव में इसका उपयोग कर पाए, यह भी संदिग्ध है क्योंकि डेटा पैक खरीदने के लिए पैसे, मोबाइल चार्ज करने के लिए बिजली आदि जैसे कई सवाल इससे जुड़े हैं। रिपोर्ट बताती है कि 42 प्रतिशत शहरी क्षेत्रों में इंटरनेट की सुविधा है, लेकिन शहरी गरीब बस्तियों में रहने वाले कितने छात्र इसका लाभ उठा पाए, यह भी एक सवाल है। इसके अलावा, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि निजी स्कूलों में उच्चतर माध्यमिक स्तर पर 62 प्रतिशत से ज़्यादा शिक्षक पूरी तरह योग्य नहीं हैं। ऐसे में, अगर शिक्षक अपनी पूरी क्षमता से काम करने की कोशिश भी करें, तो वे इसमें कितने सफल होंगे, यह तो आने वाला समय ही बताएगा। रिपोर्ट में अंत में दस सुझाव भी दिए गए हैं जिनके ज़रिए देश में सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जा सकती है। इनमें सबसे अहम है पूर्वोत्तर और ग्रामीण इलाकों के स्कूलों में शिक्षकों की संख्या बढ़ाना और उनके उचित प्रशिक्षण की व्यवस्था करना।

कुल मिलाकर, स्कूलों में पर्याप्त संख्या में शिक्षकों की व्यवस्था करना, सरकारी क्षेत्र में ज़्यादा से ज़्यादा स्कूल खोलना ताकि गरीब और ग्रामीण बच्चे फीस आदि के कारण शिक्षा से वंचित न रहें और शिक्षक-छात्र अनुपात को कम करना यानी शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने के लिए स्कूलों की संख्या बढ़ाना, सतत विकास लक्ष्य 2030 को प्राप्त करने की दिशा में कुछ अहम कदम हो सकते हैं। हालाँकि, बड़ा सवाल यह है कि क्या हमारे देश की सरकार यह सब करने के लिए तैयार है। दरअसल, सभी संकेत यही बताते हैं कि सत्ताधारियों के बीच सभी स्तरों पर सार्वजनिक शिक्षा को कमज़ोर करने की एक सोची-समझी योजना चल रही है। हमें एक संगठन के रूप में इसे रोकने के लिए कमर कसनी होगी।

संतकबीर नगर में 10 साल की बच्ची के साथ 4 ने किया गैंगरेप, बनाया वीडियो

आर्यावर्त संवाददाता

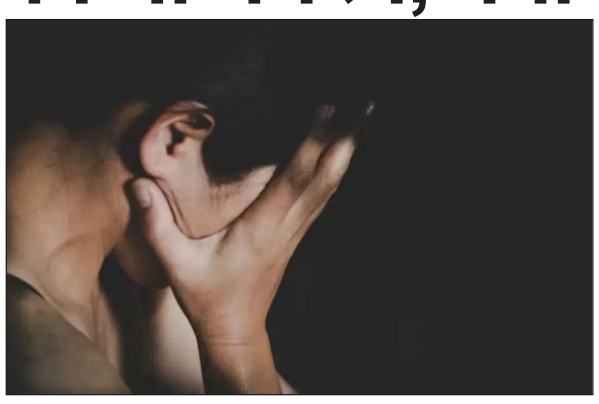

संतकबीर नगर। उत्तर प्रदेश के संतकबीर नगर से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक नाबालिग बच्ची से हैवानियत की गई। बच्ची से चार लोगों ने गैंगरेप किया। इसमें तीन आरोपी नाबालिग हैं। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इतना ही नहीं पुलिस ने दो नाबालिग आरोपियों को हिरासत में लिया है। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। मामला जिले के खलीलाबाद कोतवाली इलाके का बताया जा रहा है।

सोमवार शाम को एक महिला ने खलीलाबाद कोतवाली पुलिस को तहरीर दी। अपनी तहरीर में महिला ने बताया कि उसकी 10 साल की नाबालिग बेटी रविवार शाम लगभग चार बजे पोखरे की ओर नित्यकर्म के लिए गई थी। उसी दौरान उसके साथ हैवानियत की गई। बेटी को गांव के ही तीन नाबालिगों समेत चार लोगों ने घेरा। बेटी के साथ गैंगरेप में सभी आरोपी शामिल थे।

बच्ची के साथ गैंगरेप का वीडियो भी बनाया

बच्ची के साथ गैंगरेप का वीडियो भी बनाया गया। गैंगरेप के बाद आरोपियों ने बच्ची को छोड़ दिया। फिर बच्ची किसी तरह अपने घर पहुंची। महिला का आरोप है कि उसकी बेटी रोती हुई घर आई। वहीं चारों आरोपी पोखरे के बगल में बैठकर वीडियो देखने लगे। बच्ची ने घर आकर अपनी आपबीती बताई। महिला की तहरीर पर पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ गैंगरेप समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस ने सख्त कार्रवाई की कही बात

इस मामले के बारे में जानकारी देते हुए खलीलाबाद कोतवाली पुलिस ने कहा कि चारों आरोपियों के खिलाफ गैंगरेप, पॉक्सो एक्ट और एससीएसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। तीन आरोपी नाबालिग हैं। उनमें दो को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। दो आरोपी और उनके परिवार वाले घर छोड़कर फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश में लगी हुई है। पुलिस जल्द ही उनको भी पकड़ने में कामयाब होगी। इस पूरे मामले की जांच कर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सावन माह में कांवरियों के सेवा भाव हेतु बजरंग दल द्वारा विशाल भंडारा आयोजित

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। सावन मास के तीसरे सोमवार की संध्या पर गोला नगर के बाईपास पर राष्ट्रीय बजरंग दल द्वारा एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस भंडारे में कांवरियों और श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और प्रसाद ग्रहण किया।

भंडारे का आयोजन राष्ट्रीय बजरंग दल के जिला अध्यक्ष राकेश कनौजिया और वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष आकाश जायसवाल के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान बजरंग दल के कई कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिनमें मनोज कुमार शुक्ला, अखिलेश जायसवाल, अवधेश कुमार और पंकज सिंह तोमर , पारुल मिश्रा,दीपक दीक्षित ऊर्फ कल्लू, सन्नी कनौजिया आदि शामिल थे। भंडारे में तहडी चाय और रस का वितरण किया गया, जिसे कांवरियों और श्रद्धालुओं ने देर रात चले विशाल भंडारे में बड़े चाव से प्रसाद ग्रहण किया।

बदहाल बिजली व्यवस्था के विरोध में ग्रामीणों का हैदराबाद पावर हाउस पर धरना प्रदर्शन जारी

आर्यावर्त संवाददाता

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। हैदराबाद पावर हाउस से जुड़े अजान फीडर पर पिछले एक हफ्ते से बिजली की आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित है। इस फीडर पर पहले 44 गांव जुड़े थे, लेकिन हाल ही में 16 और गांव जोड़ दिए गए हैं, जिससे फीडर पर लोड बढ़ गया है और ग्रामीणों को बिजली की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने बदहाल बिजली व्यवस्था को सुधारे जान की मांग करते हुए देर रात करीब 10 बजे पावर हाउस पर एकत्र होकर धरना शुरू कर दिया है। ग्रामीणों की मांग है कि अजान फीडर की क्षमता बढ़ाई जाए ताकि बिजली आपूर्ति सुचारु रूप से परियाप्त मिल सके। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली की कमी के कारण उन्हें कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें पानी की कमी, फसलों की सिंचाई में परेशानी और घरेलू कार्यों में बाधा शामिल है। ग्रामीणों ने विजली विभाग के अधिकारियों पर आरोप लगाया है कि 16 नये गांवों को जोड़ने के लिए ढाई लाख की डाली लेने के कारण इन गांवों को जोड़ दिया गया है जिससे क्षेत्र की बिजली व्यवस्था बदहाल हो गई है।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगों पर जल्द ही कार्रवाई नहीं की गई तो वे आंदोलन को और तेज करेंगे। ग्रामीणों की मांगों पर पावर हाउस प्रशासन की ओर से अभी तक कोई ठोस जवाब नहीं आया है, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों की मांग है कि उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए बिजली विभाग के अधिकारियों को ठोस कदम उठाने चाहिए और अजान फीडर की क्षमता बढ़ाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करनी चाहिए।

धरना करने के दौरान मीनू वर्मा धीरू यादव ध्रुव कुमार अभिषेक कुमार अभिषेक कश्यप सलीम अली चिंकू गुप्ता अंकित कुमार सुधीर कुमार विशाल कुमार अक्षय कुमार अक्षय अवस्थी शिवम वर्मा अभिषेक यादव अमन वर्मा सुखदेव वर्मा युसूफ अली नसीम अली सलीम अली मोनू सहित तमाम ग्रामीण मौजूद रहे।

झांसी के गांव में दिखी पंचायत की असली लड़ाई! प्रधान और पूर्व प्रधान भिड़े, फटे कपड़े... जमकर लात-घूंसे

आर्यावर्त संवाददाता

झांसी। झांसी जिले के मोंठ थाना क्षेत्र में स्थित पाड़री गांव मंगलवार रात अखाड़ा बन गया। गांव के मौजूदा और पूर्व प्रधान के परिजन आमने-सामने भिड़ गए। मामूली कहासुनी देखते ही देखते खूनी संघर्ष में तब्दील हो गई। लात-घूंसे चले। गालियों की बौछार हुई। धमकियां भी दी गईं। घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिसने गांव की राजनीति में उबाल ला दिया है।

मामले की सूचना मिलते ही मोंठ पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को संभालने में जुट गई। झगड़े में दोनों पक्षों के आधा दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए। हालांकि चोटें सामान्य बताई जा रही हैं। ग्राम प्रधान अजय राजपूत ने पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि वह अपने बेटे के साथ चिरगांव से लौट रहे थे, तभी रास्ते में ट्रैक्टर-ट्रॉली खड़ी मिली, जो कथित रूप से पूर्व प्रधान हरपाल श्रीवास के परिजनों ने लगवाई थी।

ट्रैक्टर हटवाने की बात कहने पर गरमाया मामला

ट्रैक्टर हटवाने की बात कहने पर मामला गरमा गया। अजय राजपूत का आरोप है कि गाली-गलौज के साथ-साथ उन्हें झूठे मुकदमे में फंसाने और जान से मारने की धमकी दी गई। हालात इतने बिगड़ गए कि जान बचाकर भागना पड़ा। दूसरी ओर, पूर्व प्रधान हरपाल श्रीवास ने भी प्रार्थना पत्र सौंपा। उनका कहना है कि उनके घर खाद लादकर एक ट्रैक्टर-ट्रॉली आई थी। परिजन खाद की बोरियां उतार रहे थे, तभी प्रधान पक्ष के लोग पहुंचे और ट्रैक्टर हटाने को लेकर विवाद करने लगे।

मोंठ कोतवाली प्रभारी ने क्या बताया?

आरोप है कि विरोध करने पर प्रधान पक्ष के लोगों ने उनके परिजनों के साथ हाथापाई की। घटना सीसीटीवी कैमरे में भी रिकॉर्ड हुई है। वहीं मोंठ कोतवाली प्रभारी अखिलेश द्विवेदी ने बताया कि दोनों पक्षों की शिकायतें प्राप्त हो गई हैं। निष्पक्ष जांच के आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी। वायरल वीडियो और सीसीटीवी फुटेज को भी जांच में शामिल किया जा रहा है।

प्रयागराज मजदूरी करने गए युवक की संदिग्ध हालात में मौत

सिंगाही-खीरी। मजदूरी करने गया थाना क्षेत्र के युवक की संदिग्ध अवस्था मे मौत हो जाने से परिजनों मे कोहराम मच गया है।पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्थिति साफ होगी।

सिंगाही थाना क्षेत्र के ग्राम सिंगहा खुर्द निवासी लक्ष्मण चौहान (23) पुत्र रमेश चौहान दिहाड़ी श्रमिक था। मृतक के दो छोटे बच्चे एक पुत्र उम्र करीब एक वर्षऔर एक पुत्री उम्र करीब 3 वर्ष है। मृतक के पिता ने बताया कि करीब 3-4 दिन पहले जैपरा निवासी एक व्यक्ति उसे प्रयागराज की टाइल फैक्ट्री में काम कराने वास्ते लेकर गया था,जिला प्रयागराज के थाना थरवाई के गांव सहसो बसमुहा में पड़ती है।पिता ने बताया शाम को बात हुई तब सब सही था लेकिन मंगलवार सुबह काम पर ले गए व्यक्ति ने फोन कर बताया कि उसके पुत्र का स्वास्थ बहुत खराब है उसे अस्पताल लिए जा रहे हैं, परिजन युवक की तबियत खराब होने को लेकर घर मे चर्चाएं कर ही रहे थे।

ज्वेलर ने बंदर को मार दी गोली... मौत के बाद बंदरों ने मनाया मातम! वन विभाग की टीम को भी खदेड़ा

आर्यावर्त संवाददाता

हमीरपुर। यूपी के हमीरपुर जिला मुख्यालय में आज उस समय हड़कंप मच गया, जब एक आदमी ने अपनी दुकान के बाहर पेड़ पर बैठे बंदर को शॉर्ट गन से गोली मार दी और वो बंदर मर गया। इसके बाद दर्जनों बंदर वहां जमा हो गये और हड़कंप मचा दिया। कुछ बंदर मरे हुए बंदर के पास बैठ गए। यही नहीं बंदरों ने बंदर के शव को उठाने पहुंची वन विभाग की टीम पर हमला बोल दिया।

बड़ी मशक्कत के बाद टीम ने बंदरों को काबू करते हुए मृत बंदर के शव को कब्जे में लिया। मामला हमीरपुर जिला मुख्यालय के सुभाष बाजार का है। यहां पीपल ज्वेलर्स की दुकान के बगल में पीपल का पेड़ है। एक बंदर दुकान के बोर्ड को हिला कर इसी पेड़ पर चढ़ गया। यह देखकर दुकान मालिक अभिषेक गुप्ता ने अपनी शॉर्ट गन से बंदर पर फायर कर दिया। इससे बंदर नीचे गिर गया और उसकी मौत हो गई।

बंदरों के हंगामा देख लोग भाग निकले

बंदर की मौत के बाद वहां कुछ ही मिनटों में कई बंदर जमा हो गए और मातमी आवाजें निकालने लगे। कुछ बंदर मरे बंदर के पास आकर बैठ गए। इस दौरान लोगों की भीड़ जमा हो गई। बंदरों का हंगामा देखकर सब लोग भाग निकले। बंदर की मौत के बाद लोगों ने उसके ऊपर कपड़ा डाल दिया, लेकिन इसके बाद भी वहां कई बंदर जमा हो गये। कुछ बंदर पेड़ पर बैठकर लोगों को डरा रहे थे।

वहीं कुछ बंदर शव के पास बैठ का मातमी आवाजें निकाल रहे थे। वो मरे बंदर का कपड़ा हटाकर उसे बार बार देख रहे थे। बंदरों की मातमी आवाजों का शोर हर इंसान को झकजोर रहा था। इसी दौरान कुछ बंदरों ने आरोपी पर भी हमला करने की कोशिश की, लेकिन उसने अपने आपको दुकान में बंदकर बंदरों से बचा लिया।

आक्रोशित बंदरों ने वन विभाग की टीम को खदेड़ा

बंदर की मौत के बाद उसके साथी बंदरों के उपद्रव की खबर जब वह विभाग की टीम को मिली तो वो मौके पर पहुंची। उसने बंदर के शव को उठाने की कोशिश की, लेकीन अन्य आक्रोशित बंदरों ने टीम को खदेड़ लिया। कई घंटों की मशक्कत के बाद टीम ने बंदरों पर काबू पाकर शव को कब्जे में लिया। हमीरपुर वन रेंजर एसडी पाण्डेय की माने तो मृत बंदर के शव का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। रिपोर्ट आने के बाद आरोपी पर कार्रवाई की जाएगी।

हैदराबाद पुलिस की बड़ी कार्रवाई मे 4 वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा के निर्देशन में सम्पूर्ण जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत अपर पुलिस अधीक्षक खीरी महोदय के सन्निकट पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी गोला के कुशल मार्ग दर्शन में थानाध्यक्ष थाना हैदराबाद सुनील मलिक के नेतृत्व में थाना हैदराबाद खीरी की पुलिस टीम द्वारा चार नंबर वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार किए गए।

पुलिस टीम द्वारा 29 जुलाई को गिरफ्तार किए गए 4 नफर वारंटी अभियुक्तों मे मनीष पुत्र मौजीलाल निवासी ग्राम आंवला , अनुपम कुमार पुत्र राकेश कुमार वर्ष, राकेश कुमार पुत्र मनीराम निवासीगण ग्राम सकिनान अहमदनगर, नीरज कुमार पुत्र शिवदयाल उर्फ सिरदार निवासी ग्राम पन्नापुर, सभी अभियुक्त थाना हैदराबाद क्षेत्र के हैं। जिनके विरुद्ध विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय सम्मुख पेश किया गया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक हेमन्त कटियार, अशोक कुमार सिंह, अशोक कुमार सिंह, कांस्टेबल धर्मेन्द्र वर्मा, प्रेमशंकर, रवि कुमार, सचिन कुमार और नीरज कुमार शामिल थे।

क्या लतीफ शाह मजार के पास था एक और मंदिर... खुदाई में मिली भगवान विष्णु की मूर्ति

आर्यावर्त संवाददाता

चंदौली. उत्तर प्रदेश के चंदौली में लतीफ शाह मजार के नीचे स्थित बाबा बनवारी दास के मंदिर के निर्माण कार्य के लिए हो रही खुदाई के दौरान भगवान विष्णु की मूर्ति मिली, जिसके बाद यहां मंदिर होने की चर्चा क्षेत्र में शुरू हो गई है। इस मूर्ति का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। लोग इसे आस्था से जोड़कर देख रहे हैं। बनवारी दास के पुजारी अवधेश ने बताया की मंदिर के नीचे भगवान की मूर्तियों के अवशेष मिलना मंदिर होने का संकेत हो सकता है।

लतीफ शाह दरगाह मुसलमानों की आस्था से जुड़ी है। इस मजार पर मुस्लिम समुदाय के लोग आते हैं और चादर चढ़ाकर अपनी मन्नत भी मांगते हैं। लतीफ शाह एक प्रसिद्ध सूफी संत थे। उनकी दरगाह चंदौली के चकिया क्षेत्र में पड़ती है। ये एक धार्मिक स्थल है, जहां लोग अपनी मनोकामना मांगने आते हैं और चादर चढ़ाते हैं। यहां हर गुरुवार को मेला भी लगता है।

कौन थे अब्दुल लतीफ शाह?

हजरत अब्दुल लतीफ शाह मस्तान 20वीं सदी के एक सूफी संत थे, जो प्रेम, विनम्रता और आध्यात्मिक उपचार के अपने संदेश के लिए जाने जाते थे। अब्दुल लतीफ शाह का जन्म 1869 में सिंध क्षेत्र में एक छोटे से गांव हाला हवेली मे हुआ था, जो अब पाकिस्तान का हिस्सा है। वह एक मुस्लिम परिवार से ताल्लुक रखते थे। शाह लतीफ के पिता शाह हबीब एक बहुत ज्ञानी व्यक्ति थे।

लतीफ शाह बांध का निर्माण

हालांकि लतीफ शाह चंदौली के चकिया क्षेत्र में कब आए। लोगों को इसकी सटीक जानकारी नहीं है। लेकिन लतीफ शाह बांध का निर्माण 1921 में चकिया में कर्मनाशा नदी पर हुआ था। यह बांध सूफी संत हजरत लतीफ शाह रहमतुल्लाह के नाम पर रखा गया है, जिनकी कब्र पास में ही है। बरसात के मौसम मे यहां पानी बढ़ जाता है। ऐसे में झरने से गिरने वाले पानी को देखने के लिए यहां सेलनियों की भीड़ रहती है।

राजकीय बालिका इंटर कालेज में चला अभाविप का सदस्यता अभियान

आर्यावर्त संवाददाता

धौरहरा-खीरी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का सदस्यता अभियान सोमवार को राजकीय बालिका इंटर कालेज में आयोजित हुआ जिसमें 800 छात्राओं ने सदस्यता ली।

आखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा सोमवार को राजकीय बालिका इंटर कालेज परिसर में छात्राओं को टीम द्वारा सदस्यता अभियान चलाया गया।इस दौरान लगभग 500 छात्राओं ने अभियान में हिस्सा लिया।इस दौरान टीम में डाक्टर निधि वर्मा नगर अध्यक्ष,समर्थ श्रीवास्तव नगर मंत्री,अभिषेक तिवारी नगर एफ डी संयोजक,रितिक निगम नगर सह संयोजक,अभिमन्यु शुक्ला तहसील सह संयोजक सहित विद्यालय स्टाफ की मौजूदगी रही।

रिलायंस के नाम पर खोल दीं 5 कंपनियां, नाम की लिस्ट देख एसटीएफ भी हैरान

आर्यावर्त संवाददाता

गाज़ियाबाद। गाज़ियाबाद फर्जी एंबेसी केस में यूपी एसटीएफ की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे चौंकाने वाले खुलासे सामने आ रहे हैं। इस रैकेट का सरगना हर्षवर्धन जैन है, जिसकी बनाई 22 शेल कंपनियों में 5 ऐसे नाम हैं, जो सीधे तौर पर रिलायंस से मिलते जुलते हैं। हर्षवर्धन के शिकार दो पीड़ित अब सामने आए हैं, जिन्होंने बताया कि उन्हें विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी की गई है।

दिल्ली निवासी एक युवक ने इराक में नौकरी दिलाने के लिए हर्षवर्धन जैन को किस्तों में 7 लाख रुपये दिए थे। वहीं, उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के रहने वाले एक अन्य व्यक्ति ने भी 2 लाख रुपये की ठगी की बात कही है। ये दोनों पीड़ित अब जांच एजेंसियों के सामने सामने आए हैं, हालांकि अभी तक इस मामले में किसी ने औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई थी।

लोगों से कैसे की ठगी?

इस पूरे फर्जीवाड़े का पर्दाफाश उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (UP STF) ने किया है। उन्हें सूचना मिली थी कि एक बड़ा फर्जी एम्बेसी रैकेट चल रहा है, जिसमें लोगों को विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगा जा रहा है। जांच में सामने आया कि हर्षवर्धन जैन ने न केवल फर्जी एम्बेसी चलाई, बल्कि कई शेल कंपनियां बनाकर उन्हें सरकारी और नामी प्राइवेट कंपनियों जैसे मिलते-जुलते नाम देकर लोगों को गुमराह किया। इससे लोगों को विश्वास में लेने में आसानी होती थी और वे झांसे में आ जाते थे।

अब तक 22 शेल कंपनियों की पहचान

जांच एजेंसियों ने अब तक 22 शेल कंपनियों की पहचान की है, जिनके ज़रिए हर्षवर्धन जैन ने नौकरी, निवेश और व्यापारिक प्रस्तावों के नाम पर लोगों को ठगा। जांच अधिकारियों को शक है कि इन कंपनियों के ज़रिए अंतरराष्ट्रीय मनी लॉन्ड्रिंग और फर्जी दस्तावेज़ों के लेन-देन का भी खेल चलाया जा रहा था।

फिलहाल एसटीएफ और अन्य केंद्रीय एजेंसियां पूरे मामले की तह तक जाने की कोशिश कर रही हैं। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में और भी पीड़ित सामने आ सकते हैं। जांच के दायरे में हर्षवर्धन जैन के सहयोगी और इन शेल कंपनियों से जुड़े लोग भी हैं।

बड़ी कंपनियों से मिलते-जुलते नाम वाली कंपनियां

हर्षवर्धन जैन की बनाई 22 शेल कंपनियों में 5 ऐसे नाम हैं, जो सीधे तौर पर रिलायंससे मिलते जुलते हैं, जैसे-

Reliance Anil Dhirubhai Ambani Group
Reliance Big Pictures
Reliance PLC
Reliance Capital
Reliance Big Entertainment

ये थीं 22 सेल कंपनियां

EAST INDIA COMPANY UK LIMITED
LONDON ADVISORY LIMITED
LONDON ACQUISITIONS
LONDON COMMODITY EXCHANGE
RELIANCE PLC
RAMP (INDIA) LIMITED
JYOTI MARMO & GRANITE MAURITIUS
INDIRA OVERSEAS LIMITED
ISLAND GENERAL TRADING CO
JAIN ROLLING MILLS
INDIRA BUSINESS (INDIA) PRIVATE LIMITED
EMIRATES PETROLEUM PLC
MITTAL ISPAT PLC
SINDBAD THE TRADER PLC
RELIANCE CAPITAL LIMITED
RELIANCE BIG ENTERTAINMENT LIMITED
RITZ BOULEVARD
RELIANCE BIG PICTURES LIMITED
RELIANCE BIG PICTURES PRIVATE LIMITED
RELIANCE ANIL DHIRUBHAI AMBANI GROUP PLC
STATE TRADING CORPORATION LIMITED
HINDUSTAN FERTILIZER CORPORATION LIMITED

इनके अलावा लंदन, मॉरीशस और भारत में रजिस्टर्ड कई अन्य कंपनियां भी बनाई गई थीं, ताकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नेटवर्क तैयार किया जा सके और जालसाजी को वैध रूप देने का भ्रम फैलाया जा सके।

बैडमिंटन खेलते हुए 25 साल के युवक को आया हार्ट अटैक, युवा हैं तो न करें इन लक्षणों को नजरअंदाज

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में कम उम्र में दिल का दौरा पड़ना एक आम बात हो गई है। बीते रविवार बैडमिंटन खेलते हुए एक युवक को अचानक हार्ट अटैक आया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इसलिए आइए इस लेख में जानते हैं कि हार्ट अटैक आने से पहले शरीर में क्या लक्षण दिखते हैं?

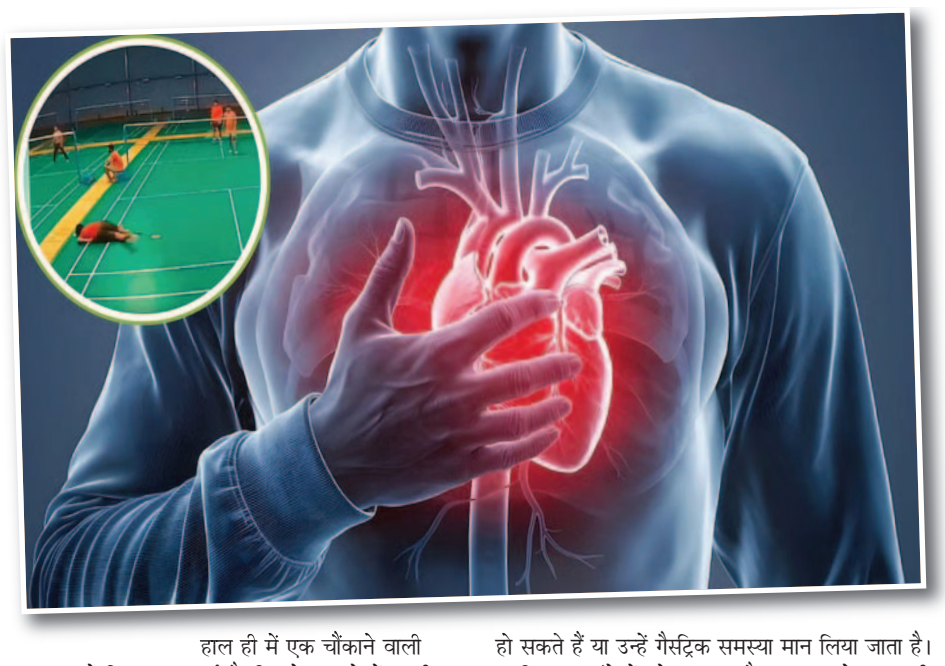

हाल ही में एक चौंकाने वाली घटना सामने निकलकर आई है, जिसने युवाओं में बढ़ती हृदय संबंधी समस्याओं को लेकर गंभीर चिंता पैदा की है। बीते रविवार हैदराबाद में रात के समय 25 वर्षीय एक युवक को बैडमिंटन खेलते हुए अचानक दिल का दौरा पड़ा। बीते वर्षों में इस तरह की कई घटनाएं सामने निकलकर आई हैं, जहां कई युवाओं को जिम करते समय, क्रिकेट खेलते समय या कोई दूसरी गतिविधि करते हुए अचानक हार्ट अटैक आ जाता है। इस तरह की घटनाएं स्पष्ट संकेत है कि हार्ट अटैक अब केवल बुजुर्गों से संबंधित नहीं रहा है बल्कि इसकी जद में अब युवा भी आ रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मृतक का नाम राकेश है, जो हैदराबाद में एक निजी कंपनी में काम करता था। आजकल की भागदौड़ भरी जीवनशैली के चलते कम उम्र में भी दिल की बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। इस तरह की घटनाएं उन सभी युवाओं के लिए एक खतरे की घंटी है जो खुद को पूरी तरह फिट मानते हैं। ऐसे में अपने शरीर के संकेतों को समझना और कुछ सावधानियां बरतना जरूरी है। विशेषज्ञों के अनुसार समय पर लक्षणों की पहचानकर और स्वस्थ आदतें अपनाकर इस तरह के खतरे के जोखिम को कम किया जा सकता है।

युवाओं के लिए हार्ट अटैक के मुख्य चेतावनी संकेत

युवाओं में हार्ट अटैक के लक्षण कभी-कभी कम स्पष्ट हो सकते हैं या उन्हें गैस्ट्रिक समस्या मान लिया जाता है। इसलिए इन संकेतों को जानना और समझना बेहद जरूरी है-

यह अक्सर दबाव, जकड़न या भारीपन जैसा महसूस हो सकता है। यह दर्द सीने से शुरू होकर बांह, गर्दन, जबड़े या पीठ तक फैल सकता है।

बिना किसी खास मेहनत के भी सांस फूलना या सांस लेने में परेशानी महसूस होना।

सामान्य से ज्यादा थकान महसूस होना या शरीर में लगातार कमजोरी रहना।

अचानक चक्कर आना, सिर घूमना या बेहोश हो जाना।

बिना किसी शारीरिक गतिविधि के या ठंडे मौसम में भी तेज पसीना आना।

कभी-कभी पेट खराब होना या उल्टी आने जैसा महसूस होना, जिसे अक्सर पेट की समस्या समझ लिया जाता है।

महिलाओं में अक्सर सीने के दर्द की बजाय अत्यधिक थकान, पीठ दर्द, जबड़े में दर्द या मतली जैसे लक्षण दिख सकते हैं।

क्या कहते हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ?

हृदय रोग विशेषज्ञ इस बात पर जोर देते हैं कि हार्ट अटैक के लक्षणों की समय पर पहचान सबसे महत्वपूर्ण है। अगर किसी को ये लक्षण दिख रहे हैं, तो तुरंत चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए। हार्ट अटैक के केवल एक लक्षण पर ध्यान न दें, कभी-कभी लक्षण बहुत हल्के होते हैं या किसी और स्थिति की तरह महसूस होते हैं। इसलिए इन सभी संभावित लक्षणों के बारे में जागरूक रहना और समय रहते डॉक्टर की सलाह लेना बेहद जरूरी है ताकि किसी भी जोखिम से बचा जा सके।

युवाओं में हार्ट अटैक के कारण

युवाओं में हार्ट अटैक के कारणों में अनियमित जीवनशैली, तनाव, मोटापा, उच्च रक्तचाप और डायबिटीज शामिल हैं। जंक फूड, धूम्रपान और शराब का

अधिक सेवन धमनियों में प्लाक जमा करता है, जिससे हृदय तक रक्त प्रवाह बाधित होता है। तीव्र शारीरिक गतिविधि, जैसे बैडमिंटन, बिना तैयारी के हृदय पर दबाव डाल सकती है, खासकर अगर पहले से कोई हृदय समस्या हो।

बहुत से लोग उचित वार्म-अप, प्रशिक्षण या सहनशक्ति के बिना अधिक कसरत करते हैं। अगर दिल पहले से ही कमजोर है या तनाव में है, तो ये भारी गतिविधि है पर ज्यादा लोड डाल सकती है। इसलिए इससे बचना चाहिए। इसके अलावा आनुवंशिकता भी एक प्रमुख कारक है।

लक्षण दिखने पर तुरंत उठाएं ये कदम

हार्ट अटैक के लक्षण दिखने पर तुरंत चिकित्सीय मदद लें। इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम, ब्लड टेस्ट (ट्रोपोनिन) और एंजियोग्राफी से निदान किया जाता है। आपात स्थिति में तुरंत नजदीकी अस्पताल से संपर्क करें। समय पर उपचार, जैसे स्टेंट डालना या दवाएं, जीवन बचा सकता है। युवाओं को नियमित स्वास्थ्य जांच, जैसे कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर टेस्ट, करवानी चाहिए ताकि जोखिम का पता लगाया जा सके।

बचाव के लिए इन आदतों को अपनाएं

हार्ट अटैक से बचने के लिए स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं। नियमित व्यायाम, जैसे 30 मिनट की ब्रिस्क वॉकिंग या योग, हृदय स्वास्थ्य को हेल्दी रखता है। संतुलित आहार, जिसमें फल, सब्जियां, साबुत अनाज और ओमेगा-3 युक्त खाद्य (मछली, अखरोट) शामिल हों, कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करता है। धूम्रपान और शराब से परहेज करें। तनाव प्रबंधन के लिए मेडिटेशन और पर्याप्त नींद लें। यदि परिवार में हृदय रोग का इतिहास है या लक्षण दिखें, तो तुरंत कार्डियोलॉजिस्ट से परामर्श करें।

रोकथाम कुंजी है

दिल के दौरे के लक्षणों को पहचानना महत्वपूर्ण है, लेकिन जोखिम को कम करने में रोकथाम एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, खासकर युवा वयस्कों के मामले में। यहाँ कुछ निवारक उपाय दिए गए हैं जिन्हें अपनाया जा सकता है:

स्वस्थ आहार: फलों, सब्जियों, साबुत अनाज, लीन प्रोटीन और स्वस्थ वसा से भरपूर संतुलित आहार लें। प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों, चीनी और संतृप्त वसा का सेवन सीमित करें।

नियमित व्यायाम: प्रति सप्ताह कम से कम 150 मिनट की मध्यम तीव्रता वाली एरोबिक गतिविधि या 75 मिनट की तीव्र तीव्रता वाली एरोबिक गतिविधि का लक्ष्य रखें।

तंबाकूयदि आप धूम्रपान करते हैं तो धूम्रपान छोड़ दें, और दूसरों द्वारा फैलाए गए धुएं के संपर्क में आने से बचें।

शराब सीमित करें: यदि शराब पीना ही है तो संयमित मात्रा में पियें। अत्यधिक शराब पीने से हृदय रोग का खतरा बढ़ सकता है।

तनाव का प्रबंधन करो: तनाव कम करने की तकनीकों का अभ्यास करें, जैसे ध्यान, गहरी साँस लेना या योग।

रक्तचाप को नियंत्रित करें: अपने रक्तचाप की नियमित निगरानी करें और यदि यह अधिक है, तो इसे प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए स्वास्थ्य सेवा प्रदाता से सलाह लें।

मधुमेह का प्रबंधन करें: यदि आपको मधुमेह है, तो सुनिश्चित करें कि दवा, आहार और जीवनशैली में बदलाव के माध्यम से इसका अच्छी तरह से प्रबंधन किया जा रहा है।

स्वस्थ वजन बनाए रखें: आहार और व्यायाम के संयोजन के माध्यम से स्वस्थ शरीर का वजन प्राप्त करें और उसे बनाए रखें।

नियमित हृदय जांच: नियमित जांच के लिए अपने स्वास्थ्य सेवा प्रदाता से मिलें और अपने हृदय स्वास्थ्य और जोखिम कारकों पर चर्चा करें।

जोखिम कारकों को समझना

लक्षणों पर गहराई से विचार करने से पहले, उन जोखिम कारकों को समझना महत्वपूर्ण है जो युवा वयस्कों को दिल के दौरे के लिए प्रेरित कर सकते हैं। इनमें से कुछ कारक इस प्रकार हैं:

परिवार के इतिहास: यदि आपके परिवार में हृदय रोग का इतिहास रहा है, विशेष रूप से युवावस्था में, तो आपमें आनुवंशिक प्रवृत्ति हो सकती है।

धूम्रपान: धूम्रपान हृदय रोग के लिए एक प्रमुख जोखिम कारक है, चाहे उम्र कुछ भी हो।

उच्च रक्त चाप: उच्च रक्तचाप हृदय पर दबाव डाल सकता है तथा दिल का दौरा पड़ने का खतरा बढ़ सकता है।

मधुमेह: मधुमेह का ठीक से प्रबंधन न किए जाने पर रक्त वाहिकाओं को क्षति पहुंच सकती है और हृदय रोग का खतरा बढ़ सकता है।

मोटापा: अधिक वजन के कारण उच्च कोलेस्ट्रॉल, उच्च रक्तचाप और मधुमेह हो सकता है, जो सभी हृदयाघात के जोखिम कारक हैं।

अस्वास्थ्यकारी आहार: संतृप्त वसा, ट्रांस वसा और कोलेस्ट्रॉल से भरपूर आहार का सेवन करने से धमनियों में वसा जमा हो सकती है।

भौतिक निष्क्रियता: व्यायाम की कमी से मोटापा बढ़ सकता है और हृदय रोग का खतरा बढ़ सकता है।

गर्भावस्था में ट्रिप पर जा रही हैं? इन बातों को जानना है बेहद जरूरी

गर्भावस्था के दौरान यात्रा करना रोमांचक हो सकता है, लेकिन इसके लिए आपकी और आपके बच्चे की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त सावधानी और योजना की भी आवश्यकता होती है। चाहे आप सप्ताहांत में छोटी छुट्टी पर जा रही हों या लंबी यात्रा पर, यह जानना ज़रूरी है कि क्या उम्मीद करनी है और कैसे तैयारी करनी है। सही सावधानियों के साथ, कई महिलाएं गर्भावस्था के दौरान आराम से यात्रा कर सकती हैं—खासकर दूसरी तिमाही में। इस आर्टिकल में, हम आपको सुरक्षित, तनावमुक्त और आगे की राह (या आसमान) के लिए तैयार रखने के लिए उपयोगी यात्रा सुझाव साझा करेंगे।

गर्भावस्था एक खूबसूरत अनुभव है लेकिन इस दौरान सफर करना थोड़ी अतिरिक्त सावधानी की मांग करता है। चाहे बेबीमून हो, फैमिली ट्रिप या जरूरी सफर, अगर आप गर्भवती हैं और कहीं यात्रा पर जाने की सोच रही हैं तो आपको कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। सही प्लानिंग और हेल्थ प्रिकॉशन्स के साथ आप बिना किसी परेशानी के ट्रैवल का आनंद ले सकती हैं। यह लेख गर्भावस्था में यात्रा कर रही महिलाओं के लिए ध्यान देने योग्य जरूरी बातों को पर आधारित है, जिसके बारे में हर माँ बनने वाली महिला को ट्रिप पर निकलने से पहले जानना चाहिए।

डॉक्टर की सलाह

गर्भावस्था में सफर से पहले चिकित्सकीय सलाह जरूर लें। यात्रा करने से पहले अपनी स्त्री रोग विशेषज्ञ से मिलें और यात्रा के लिए फिटनेस की पुष्टि करवाएं। किसी भी प्रकार की हाई-रिस्क प्रेग्नेंसी होने पर यात्रा से बचना बेहतर होता है।

गर्भवती के लिए यात्रा का सही सयम

प्रेग्नेंसी का दूसरा तिमाही यानी 13 से 28 हफ्तों का समय सबसे सुरक्षित माना जाता है। इस समय मॉर्निंग सिकनेस कम हो जाती है और एनर्जी भी बनी रहती है।

यात्रा की सही साधन

ट्रैवल मोड का चुनाव सोच-समझकर करें। कार से यात्रा में बीच-बीच में ब्रेक लेना जरूरी है। हवाई यात्रा के लिए एयरलाइन की गाइडलाइन चेक करें। अधिकतर कंपनियां 36वें सप्ताह तक ही गर्भवती महिलाओं को अनुमति देती हैं। वहीं ट्रेन यात्रा तुलनात्मक रूप से आरामदायक होती है।

ये चीजें जरूर रखें ट्रैवल बैग में

डॉक्टर का संपर्क नंबर और मेडिकल रिपोर्ट्स
आवश्यक दवाएं
आरामदायक कपड़े और फ्लैट सैंडल
स्नैक्स और हाइड्रेशन के लिए पानी की बोतल

यात्रा के दौरान रखें इन बातों का ध्यान

बहुत अधिक चलने-फिरने या भारी सामान उठाने से बचें।

लंबे समय तक बैठी रहें तो हर 1 घंटे में थोड़ा टहलें।

हाईजीन और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें।

जंक फूड से परहेज करें और घर जैसा हल्का खाना खाएं।

यात्रा का सबसे अच्छा समय: दूसरी तिमाही (14-28 सप्ताह)

दूसरी तिमाही आमतौर पर यात्रा करने के लिए सबसे आरामदायक समय होता है:

सुबह की मतली आमतौर पर कम हो जाती है
ऊर्जा का स्तर बढ़ जाता है
जटिलताओं का जोखिम कम होता है

आईटीआर भरते समय इन बातों का रखें ध्यान, नहीं आएगा नोटिस और न लगेगा जुर्माना

आकलन वर्ष 2025-26 के लिए रिटर्न भरने की अंतिम तिथि 15 सितंबर, 2025 है। आयकर विभाग आईटीआर फॉर्म-1, 2, 3 और 4 के लिए एक्सेल यूटिलिटी जारी कर चुका है। आयकर नोटिस या जुर्माने से बचने के लिए रिटर्न भरते समय किसी भी तरह की लापरवाही और गलतियों से बचें। रिपोर्ट-

आयकर विभाग ने रिटर्न भरने के लिए कई फॉर्म जारी किए हैं। हर फॉर्म खास तरह की कमाई करने वाले और करदाताओं के लिए बनाया गया है। आपने शेयर बेचकर 1.25 लाख रुपये से ज्यादा का लॉन्ग टर्म कैपिटल गेंस अर्जित किया है या विदेशी बैंक में खाता है, तो आपको रिटर्न भरने के लिए आईटीआर फॉर्म-1 की जगह आईटीआर-2 फॉर्म चुनना होगा। गलत फॉर्म के चयन से आपका रिटर्न डिफेक्टिव माना जा सकता है।

कमाई का हर सोर्स बताएं

आयकर रिटर्न (आईटीआर) भरते समय अपनी कमाई के हर स्रोत की जानकारी दें। चाहे वह टैक्सेबल हो या नहीं। जैसे, बचत खाते और फिक्स्ड डिपॉजिट पर मिलने वाला ब्याज, किराये से कमाई या शेयर बाजार में डिविडेंड इनकम। कमाई चाहे छोटी हो या बड़ी, सबकी जानकारी जरूर दें। अगर आप कोई आय छुपाते हैं और जांच में आयकर विभाग को पता चल गया तो, नोटिस के साथ जुर्माना लगाया जा सकता है।

फॉर्म-26एएस और एआईएस की जांच करें

रिटर्न भरने से पहले फॉर्म-26एएस और एनुअल इन्फॉर्मेशन स्टेटमेंट (एआईएस) की जांच जरूर करें। इनमें आपकी आय, टीडीएस और बड़े लेनदेन की जानकारी होती है। अगर इनमें कोई गड़बड़ी है, जैसे बैंक की ओर से काटा गया टीडीएस गलत दिख रहा हो, तो उसे ठीक कराएं। इन दस्तावेजों का मिलान फॉर्म-16, बैंक स्टेटमेंट और अन्य रिकॉर्ड से करें। जानकारी में अंतर होने पर आयकर विभाग से नोटिस आ सकता है।

बिना सबूत कोई भी छूट लेने से बचें

करदाता कई बार बिना सबूत के धारा-80सी, 80डी या अन्य छूट का दावा कर लेते हैं। बच्चों की स्कूल फीस, बीमा प्रीमियम या मेडिकल इंश्योरेंस के लिए छूट तभी लिया जा सकता है, जब आपके पास इनसे संबंधित वैध दस्तावेज हों। आयकर विभाग अब एआईएस और एआई टूल्स की मदद से इन गड़बड़ियों को आसानी से पकड़ लेता है।

नौकरी बदलने पर आय से जुड़ी जानकारी न छुपाएं

अगर आपने एक वित्त वर्ष में नौकरी बदली है, तो दोनों नियोक्ताओं से मिली आय को आईटीआर में दिखाना जरूरी है। दोनों नियोक्ताओं से मिले फॉर्म-16 को ध्यान से देखें और सुनिश्चित करें कि कोई आय छूट न जाए। करदाता कई बार पुराने नियोक्ता की आय या टीडीएस से जुड़ी जानकारी छोड़ देते हैं, जो गलत है। एआईएस में आपकी सारी आय की जानकारी होती है, इसलिए इसे छिपाने की कोशिश न करें। ऐसा करने पर आपको नोटिस मिल सकता है।

30 दिनों में जरूर सत्यापित करें रिटर्न

रिटर्न भरने के बाद उसे 30 दिनों के अंदर सत्यापित करना आवश्यक है। यह सत्यापन आधार ओटीपी या नेट बैंकिंग या डाक से भेजकर किया जा सकता है। अगर आप निर्धारित समय में सत्यापित नहीं करते, तो रिटर्न को अमान्य माना जाता है। करदाता आईटीआर दाखिल करने के बाद कई बार सत्यापित करना भूल जाते हैं, जिससे उनकी रिटर्न प्रक्रिया अधूरी रह जाती है और जुर्माना लग सकता है। -जनार्दन केसरी, टैक्स सलाहकार

एलआईसी की गजब की स्कीम, सिर्फ थोड़े से रुपये बचाकर जुटा लेंगे 25 लाख

नई दिल्ली, एजेंसी। एलआईसी की नई जीवन आनंद योजना एक गैर-लिंक्ड जीवन बंदोबस्ती योजना है जो सुरक्षा और बचत का एक आकर्षक देती है। एलआईसी की नई जीवन आनंद योजना ने लोकप्रियता हासिल की क्योंकि यह प्रीमियम पेमेंट अवधि समाप्त होने के बाद भी पॉलिसीधारक के जीवनकाल में मृत्यु के खिलाफ वित्तीय सुरक्षा का लाभ देती है। साथ ही पॉलिसी में लचीले प्रीमियम भुगतान विकल्पों का विकल्प भी दिया गया है। पॉलिसीधारक दो साल तक प्रीमियम का भुगतान करने के बाद पॉलिसी को सरेंडर कर सकता है।

एलआईसी न्यू जीवन आनंद पॉलिसी

यह एक एंडोमेंट पॉलिसी है जो अतिरिक्त बोनस के साथ बीमा राशि देती है।

पॉलिसी जीवित रहने पर परिपक्वता लाभ का भुगतान किए जाने के बाद भी सक्रिय रहती है।

पॉलिसीधारक की मृत्यु के मामले में, बीमा राशि नामांकित व्यक्ति को दी जाएगी।

एलआईसी न्यू जीवन आनंद पॉलिसी के लिए न्यूनतम प्रवेश आयु 18 वर्ष और अधिकतम प्रवेश आयु 50 वर्ष है। इसका मतलब है कि 18 वर्ष से कम और 50 वर्ष से अधिक आयु के लोग इस पॉलिसी को नहीं खरीद सकते हैं। साथ ही पॉलिसीधारक की अधिकतम मैच्योरिटी आयु 75 वर्ष निर्धारित की गई है।

न्यूनतम पॉलिसी अवधि 15 वर्ष और अधिकतम पॉलिसी अवधि 35 वर्ष है। इस पॉलिसी के अंतर्गत न्यूनतम मूल बीमा राशि 1,00,000 रुपये है और अधिकतम मूल बीमा राशि की कोई सीमा नहीं है।

25 लाख रुपये कैसे जमा करें?

मान लीजिए कि 18 वर्ष की आयु का कोई व्यक्ति 35 साल की अवधि के लिए 5 लाख रुपये की बीमा राशि के साथ यह पॉलिसी लेता है।

मासिक निवेश- लगभग 1,120 रुपये
वार्षिक निवेश- लगभग 14,399 रुपये
कुल प्रीमियम का भुगतान- 4,93,426 रुपये
मैच्योरिटी लाभ
बीमित राशि- 5 लाख रुपये
बोनस- 8.575 लाख रुपये
अतिरिक्त बोनस- 11.50 लाख रुपये
कुल मैच्योरिटी राशि- 25 लाख रुपये

इसके अलावा पॉलिसीधारक की मृत्यु की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में एलआईसी मृत्यु लाभ का 125 फीसदी देता है।

रूस ने उत्तर कोरिया को दी सौगात, प्योंगयांग में बरसों बाद उतरी सीधी फ्लाइट

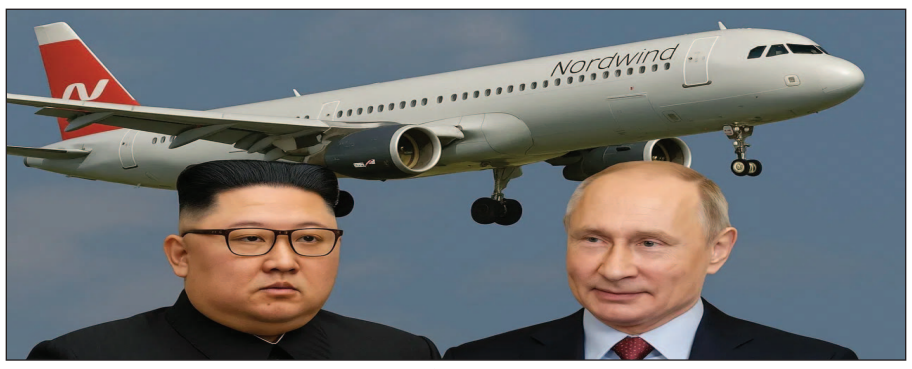

मॉस्को, एजेंसी। रूस ने उत्तर कोरिया को बड़ी सौगात दी है। मॉस्को और प्योंगयांग के बीच पहली सीधी उड़ान सोमवार से शुरू हो गई। इससे पहले रूस और उत्तरकोरिया के बीच एक मात्र सीधी उड़ान थी वो प्योंगयांग को रूस के प्रमुख शहर व्लादिवोस्तोक से जोड़ती थी। इस फ्लाइट का संचालन उत्तर कोरियाई सरकारी एयरलाइन एयर कोर्यो द्वारा किया जाता था। दोनों देशों के अधिकारियों के बीच दोनों देशों के बीच शुरू हुई नियमित सीधी उड़ान तकरीबन 75 वर्षों से बाधित थी।

रूसी एयरलाइन नॉर्डविड को इस माह की शुरुआत में ही नए रूट पर उड़ान भरने की अनुमति मिली थी। इसकी योजना हर महीने एक राउंड ट्रिप उड़ान है। सोमवार को जब यह फ्लाइट प्योंगयांग पहुंचीं तो इसमें यात्रियों के साथ रूसी अधिकारी भी सवार थे। रूसी प्राकृतिक संसाधन एवं पर्यावरण मंत्री अलेक्सांद्र कोजलोव के मुताबिक यह उड़ान दोनों देशों के बीच आधुनिक संबंधों में एक मील का पत्थर है।

उत्तर कोरियाई नागरिक थे सवार

प्योंगयांग अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कोजलोव का स्वागत उत्तर कोरियाई विदेश आर्थिक मामलों के मंत्री और आयोग में उनके समकक्ष युन जोंग-हो ने किया। युन ने नई हवाई सेवा को दोनों देशों के लोगों की समृद्धि की दिशा में एक कदम बताया। मीडिया रिपोर्टों से पता चला है कि विमान में सवार ज़्यादातर यात्री घर लौट रहे उत्तर कोरियाई नागरिक थे। एक यात्री ने रूप्टली वीडियो एजेंसी को बताया कि उसे उम्मीद है कि रूस के साथ मज़बूत संबंध उत्तर कोरिया में पर्यटन को बढ़ावा देने में मदद करेंगे।

तय की 6400 किमी से ज्यादा की दूरी

यह उड़ान 6,400 किलोमीटर से ज़्यादा की दूरी तय करती है और लगभग आठ घंटे का समय लेती है। पहली यात्रा के टिकटों की शुरुआती कीमत लगभग 570 डॉलर रखी गई थी। पिछले साल, मास्को और प्योंगयांग ने एक व्यापक द्विपक्षीय सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसमें उनके संबंधों को और गहरा करने की योजनाओं की रूपरेखा तैयार की गई। इस संधि में पारस्परिक रक्षा प्रावधान शामिल थे, जो रूस के कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी घुसपैठ को विफल करने में रूसी सैनिकों की सहायता के लिए उत्तर कोरियाई सेना की तैनाती के लिए कानूनी ढांचा प्रदान करते थे।

चीन में पापा बनने के लिए 30 दिन तक की छुट्टी, खाते में इतने रुपये डालेगी सरकार

बीजिंग। चीन की सरकार अपने जन्म दर को ठीक करने के लगातार नए-नए प्रयोग कर रही है। सरकार ने अब बच्चे जन्म देने पर पिता को 1 लाख 30 हजार रुपए सब्सिडी के तौर पर देने का फैसला किया है। सरकार ने कहा है कि यह सब्सिडी उन बच्चों के लिए भी दिया जाएगा, जिनकी उम्र 3 साल से कम है।

चीन सरकार का मानना है कि ऐसा करने से बर्थ रेट में बढ़ोतरी हो सकती है। चीन में प्रजनन दर 1।09 का है। सरकार की कोशिश इसे 3 तक ले जाने की है।

बीजिंग में घोषित इस फॉर्मूले के मुताबिक जन्म होते ही बच्चों के लिए 500 डॉलर तो वहीं पैरेंट्स को 1000 डॉलर देने का प्रावधान है। यानी एक बच्चा के जन्म लेते ही परिवार को 1500 डॉलर मिलेंगे। यह रुपए में कुल 1 लाख 30 हजार के करीब है। सरकार ने सब्सिडी में उन बच्चों को

भी जोड़ने का फैसला किया है, जो 3 साल पहले जन्म ले चुका है। सरकार का कहना है कि इस सब्सिडी को पाने के लिए कोई भी चीनी नागरिक आवेदन कर सकता है। सरकार सीधे खाते में रुपए ट्रांसफर करेगी। चीन में महंगाई को देखते हुए सरकार ने यह फैसला किया है।

चीन की सरकार ने सब्सिडी देने का यह फैसला एक शोध रिपोर्ट के आधार पर किया है। दरअसल, फुडान विश्वविद्यालय और हांगकांग विश्वविद्यालय (एचकेयू) के शोधकर्ताओं ने जून 2025 में एक शोध रिपोर्ट तैयार की। इसमें कहा गया कि पिता को सब्सिडी देने से जन्म दर में बढ़ोतरी हो सकती है।

छुट्टी देने का भी फैसला

चीन के 14 प्रांत अलग-अलग तरीके से जन्म दर बढ़ाने को लेकर फैसला ले रहा है। सबसे ज्यादा आबादी वाला शहर सिचुआन प्रांत में बच्चे पैदा करने के लिए 25 दिन की छुट्टी का प्रावधान है। यह छुट्टी पिता को दी जाएगी और यह पेड लीव के तहत मिलेगी। यानी एक भी पैसा नहीं कटेगा। इसी तरह शेडोंग में 18 दिन तो शांक्सी और गांसू जैसे प्रांतों में 30 दिन की छुट्टी का प्रावधान है। पहले 3 दिन की ही छुट्टी देने का प्रावधान था। कहा जा रहा है कि प्रांत स्तर पर यह प्रयोग सफल होता है, तो इसे पूरे केंद्र स्तर पर लागू किया जा सकता है। केंद्र स्तर पर 3 दिन क छुट्टी का प्रावधान है।

फ्लाइट में अभय नायक ने लगाया था अल्लाहू अकबर का नारा, दी थी बम ब्लास्ट की धमकी

लंदन, एजेंसी। ईजीजेट के विमान में उड़ान के दौरान बम विस्फोट की धमकी और अल्लाहू अकबर चिल्लाने वाले शख्स की पहचान हो गई है। उसका नाम अभय नायक है। उसने उड़ान के दौरान 'अल्लाहू अकबर', 'अमेरिका मुर्दाबाद' और 'ट्रंप मुर्दाबाद' के नारे लगाए थे। लंदन से ग्लासगो जा रहे ईजीजेट के विमान की इस उपद्रवी यात्री के चलते हवा में अलार्म बजाने के बाद इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी।

अभय नायक नाम के इस शख्स ने अमेरिका और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को निशाना बनाकर बम विस्फोट की धमकी और नारे लगाए। अधिकारियों ने तुरंत हस्तक्षेप किया। यह मामला अब ब्रिटेन में कानूनी कार्यवाही के अधीन है।

दरअसल, 27 जुलाई को सुबह लगभग 8 बजे लंदन के ल्यूटन एयरपोर्ट से ग्लासगो जाने वाली ईजीजेट की एक फ्लाइट में अचानक शोर मच गया। विमान में सवार यात्री अभय नायक ने फ्लाइट के टॉयलेट से बाहर निकलते ही धमकियां और नारे लगाने शुरू कर दिए। लोगों का कहना है कि उसने चिल्ला कर कहा कि मैं विमान पर बम गिरा दूंगा और फिर अमेरिका मुर्दाबाद, ट्रंप मुर्दाबाद जैसे नारे लगाए। इस अचानक बवाल से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। एक यात्री ने नायक को तुरंत जमीन पर गिरा दिया। फ्लाइट क्रू ने अन्य यात्रियों की मदद से स्थिति को संभाला।

पायलट ने कराई सुरक्षित लैंडिंग

पायलट ने तुरंत कार्रवाई की और फ्लाइट को सुरक्षित रूप से ग्लासगो की ओर मोड़ा और उसकी सुरक्षित लैंडिंग हुई। पुलिस और सुरक्षा दल जमीन पर इंतजार कर रहे थे। नायक को स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 8 बजकर 20 मिनट पर गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों ने पुष्टि की कि फ्लाइट में या नायक के पास कोई विस्फोटक नहीं मिला। यात्रियों और क्रू को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचा। नायक ने अकेले ही यह कार्रवाई की। सुरक्षा जांच के बाद फ्लाइट का सामान्य संचालन फिर से शुरू हो गया।

क्या निमिषा प्रिया की मौत की सजा रद्द हो गई? जानें दावे की सच्चाई

यमन। यमन की जेल में बंद भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को कोर्ट ने मौत की सजा सुनाई थी। कोर्ट के फैसले के 16 जुलाई को निमिषा को फांसी होने वाली थी। हालांकि भारत के ग्रैंड मुफ्ती और सुन्नी नेता कंथापुरम एपी अबू बकर मुसलियार के दखल के फांसी को स्थगित कर दिया गया था। मंगलवार को कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि यमन में निमिषा की फांसी की सजा को पलट दिया गया है। हालांकि भारत सरकार ने इस मामले पर अब तक कुछ नहीं कहा है।

निमिषा की सजा पलटने की खबरों को लेकर अभी असमंजस बरकरार है। सूत्रों की मानें तो यमन के अधिकारियों ने निमिषा की सजा नहीं पलटी है, जिस तरह के दावे किए जा रहे हैं वो सब फर्जी हैं। भारत और यमन सरकार की तरफ से इसको

लेकर अब तक आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। ऐसे में साफ नहीं है कि निमिषा प्रिया केस में अब आगे क्या होगा?

भारत के ग्रैंड मुफ्ती और सुन्नी नेता कंथापुरम एपी अबूबकर मुसलियार ने फांसी सजा स्थगित कराने में बड़ी भूमिका निभाई थी। उन्होंने यमन के धर्म गुरुओं से बातचीत की थी, जिसमें बाद मौत की सजा को कुछ दिनों के लिए टाल दिया गया था। इन्हीं ग्रैंड मुफ्ती के ऑफिस की तरफ से दावा किया गया कि यमन ने निमिषा की मौत की सजा को पलट दिया है। इसको लेकर सना में हाई लेवल मीटिंग की गई थी, जिसके बाद ही ये फैसला लिया गया है।

इस मामले को लेकर भारत सरकार भी लंबे समय में अपनी कोशिश कर रही है। हालांकि सजा पलटने की दावे पर सरकार की तरफ से कोई रियेक्शन सामने नहीं आया है। ऐसे में साफ है कि अब तक निमिषा की फांसी की सजा को पलटा नहीं गया है। अब देखना होगा कि सरकार इस मामले पर चल रही अफवाहों को लेकर कब अपना बयान जारी करती है।

केरल के पलक्कड़ की रहने वाली निमिषा प्रिया 2008 में एक नर्स के तौर पर यमन गई थी। यहां पहुंचकर निमिषा ने कई अस्पतालों में काम किया था। साल 2015 में निमिषा ने यमन के ही रहने वाले तलाल अब्दो महदी के साथ मिलकर एक मेडिकल क्लीनिक की शुरुआत की थी। 2 सालों तक दोनों के बीच सब कुछ ठीक चल रहा था। इसके बाद दोनों के बीच संबंध बिगड़ना शुरू हो गया।

साल 2017 में निमिषा के पार्टनर महदी का शव एक वाटर टैंक में मिला था। आरोप है कि निमिषा ने नींद की दवा का ओवरडोज दिया था। हत्या के एक महीने बाद निमिषा प्रिया को यमन-सऊदी अरब बॉर्डर से गिरफ्तार किया गया था। साल 2020 में सना की एक कोर्ट ने निमिषा को मौत की सजा दी। 2023 में यमन के सुप्रीम कोर्ट ने भी इस सजा को बरकरार रखा। फिलहाल निमिषा प्रिया सना जेल में बंद हैं।

चिराग पासवान का यू-टर्न, कहा- बिहार में एनडीए एकजुट, नीतीश फिर से सीएम बनेंगे

पटना। केंद्रीय मंत्री और एनडीए के सहयोगी चिराग पासवान ने कहा कि नीतीश कुमार इस साल के अंत में होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों के बाद फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। चिराग पासवान ये यू-टर्न लिया है क्योंकि वह लगातार बिहार में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर सीएम नीतीश कुमार की आलोचना करते रहे हैं। लोजपा (रामविलास) प्रमुख की यह टिप्पणी नीतीश कुमार सरकार का समर्थन करने पर अफसोस जताने के दो दिन बाद आई है, जिस पर उन्होंने आरोप लगाया था कि उसने अपराधियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। चिराग पासवान ने कहा कि एनडीए गठबंधन का सहयोगी होने के नाते मेरी जिम्मेदारी है कि अगर सरकार में किसी मुद्दे के बारे में कोई जानकारी है, तो हमें उस पर चर्चा करनी होगी और सुधार करना होगा... हम बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में आगामी बिहार विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं और चुनाव जीतने के बाद वह फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे... बिहार में एनडीए एकजुट है। यह पूछे जाने पर कि क्या वह आगामी बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेंगे, पासवान ने कहाः ;मैं सचमुच चाहता हूँ...; उन्होंने आगे कहा कि एक ईमानदार सहयोगी होने के नाते, क्या मुझे सिर्फ़ उन्हीं सीटों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जिन पर मैं चुनाव लड़ रहा हूँ? फिर मैं कैसा सहयोगी हूँ? क्या मुझे 243 सीटों पर प्रचार नहीं करना चाहिए? अगर वे (विपक्ष) मेरी बात पूरी तरह सुन लें, तो उनके इरादे शांत हो जाएँगे। बिहार के हाजीपुर से सांसद पासवान ने कहा कि एनडीए चुनावों के लिए एक ;विजयी गठबंधन; है और उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि मैंने कई बार दोहराया है कि मेरी प्रतिबद्धता और प्रेम प्रधानमंत्री के प्रति है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में (बिहार में) चुनाव लड़े जाएँगे। चुनाव परिणामों के बाद, नीतीश कुमार फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। निश्चित रूप से, वह मुख्यमंत्री होंगे।' बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर पासवान ने कहा कि यह प्रक्रिया पहले चार बार हो चुकी है और इसमें कोई अंतर नहीं आया है, सिवाय इसके कि अब डिजिटल प्रौद्योगिकी को जोड़ दिया गया है।

'भारत की बात सुनाता हूं...'; कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने शशि थरूर का जिक्र कर लिखा

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर पर लोकसभा में जारी चर्चा के दौरान जहां एक ओर कांग्रेस सरकार को घेरने की कोशिश कर रही है, वहीं पार्टी के भीतर असंतोष के सुर भी उभरकर सामने आ रहे हैं। वरिष्ठ नेता शशि थरूर के चर्चा में शामिल न होने पर पहले से सवाल उठ रहे थे और अब आनंदपुर साहिब से सांसद मनीष तिवारी की एक सोशल मीडिया पोस्ट ने इस बहस को और रोमांचक बना दिया है।

मनीष तिवारी ने सोमवार को एक्स पर एक स्क्रीनशॉट शेयर किया, जिसमें बताया गया कि उन्हें और थरूर को संसद बहस से दूर रखा गया है। उन्होंने इस पोस्ट के साथ 1970 की फिल्म 'पूरब और पश्चिम' के देशभक्ति गीत की पंक्तियां लिखीं कि भारत का रहने वाला हूं, भारत की बात सुनाता हूं। इस इशारे को कांग्रेस नेतृत्व पर निशाने के रूप में देखा जा रहा है।

थरूर भी बहस से गायब, बोले 'मौन व्रत'

शशि थरूर विदेश मामलों पर अपनी बेबाक राय और भाषण शैली के लिए मशहूर हैं। हालांकि इसके बावजूद वो कांग्रेस के वक्ताओं की सूची में नहीं थे। मीडिया ने जब उनसे इस पर सवाल किया तो उन्होंने मुस्कराकर सिर्फ 'मौन व्रत' कहा।

भारत को प्राथमिकता देने की थरूर की सोच

थरूर पहले भी कह चुके हैं कि उनका पहला दायित्व राष्ट्र के प्रति है। उन्होंने कहा था कि पार्टी देश को बेहतर बनाने का जरिया है। इसलिए जो भी पार्टी हो, उसका लक्ष्य होना चाहिए भारत को बेहतर बनाना। इस बयान को पार्टी नेतृत्व से उनके मतभेद का संकेत माना जा रहा है, खासकर पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद उनके सार्वजनिक बयानों के बाद से।

विदेशी दौरे का हिस्सा रहे, फिर बहस से बाहर

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत सरकार की वैश्विक कूटनीतिक पहल के तहत मनीष तिवारी और शशि थरूर उन सांसदों में शामिल थे, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडलों में भेजा गया था। इसी मिशन का हिस्सा रहे फतेहगढ़ साहिब से कांग्रेस सांसद अमर सिंह भी बहस में नहीं बोल रहे हैं। हालांकि आनंद शर्मा और सलमान खुर्शीद जैसे वरिष्ठ नेता भी प्रतिनिधिमंडल में शामिल थे, लेकिन वे वर्तमान में सांसद नहीं हैं।

भाजपा ने उठाया कांग्रेस पर सवाल

भाजपा ने इस मौके को भुनाने में देर नहीं की। वरिष्ठ भाजपा नेता बैजयंत जय पांडा ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि आपके पास अच्छे वक्ता हैं, लेकिन पार्टी उन्हें बोलने नहीं दे रही। मेरे मित्र शशि थरूर जी बहुत अच्छे वक्ता हैं, लेकिन उन्हें आपकी पार्टी बोलने ही नहीं दे रही है।

'मेरे बेटे को क्या हुआ था', संजय कपूर की मौत पर मां ने तोड़ी चुप्पी, कहा- विरासत खो नहीं सकती

नई दिल्ली, एजेंसी। अभिनेत्री करिश्मा कपूर के पूर्व पति और मशहूर बिजनेसमैन संजय कपूर के निधन के बाद उनकी कंपनी सोना बीएलडब्ल्यू प्रसिजन फोर्जिंग्स में विरासत को लेकर जंग शुरू हो गई है। संजय कपूर की पत्नी प्रिया सचदेवा को अंतरिम निदेशक नियुक्त किया गया है। हालांकि, अब संजय की मां रानी कपूर ने बेटे की मौत के बाद पहली बार चुप्पी तोड़ी है।

रानी कपूर का कहना है कि लंदन में संजय की मौत कैसे हुई, यह उन्हें नहीं पता। अब उनकी उम्र हो गई है। मगर विरासत की इस लड़ाई को वो जारी रखेंगी।

संजय कपूर की मौत पर क्या बोलीं मां?

समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत के दौरान रानी कपूर ने कहा, 'मुझे अभी तक नहीं पता कि मेरे बेटे को क्या हुआ था? मैं बूढ़ी हो गई हूं। मुझे कंपनी के शुरुआती दिन आज भी याद आते हैं। मैंने और मेरे पति ने इस कंपनी को प्यार और त्याग से खड़ा किया है।' मैं दुनिया को बताना चाहती हूं कि मेरे परिवार की विरासत नहीं खो सकती। यह आगे आने वाली पीढ़ियों को दी जाएगी। मेरे पति भी हमेशा यही चाहते थे।

लीगल टीम देगी जानकारी

रानी कपूर ने अपने स्वास्थ्य पर बात करने से साफ इनकार कर दिया। उनका कहना है कि उनकी लीगल टीम मामले पर जरूरी जानकारी देगी।

कंपनी ने खारिज किया रानी का दावा

Sona Comstar की पूर्व चेयरमैन रहीं रानी कपूर के नाम पर अब कंपनी में कोई भी शेयर नहीं है। वहीं, कंपनी ने उनके बयान को निराधार बताया है। रानी कपूर ने संजय कपूर की मौत को संदिग्ध बताते हुए कहा था कि, बेटे की मौत के बाद बंद कमरे में उनसे कुछ दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करवा लिए गए थे। हालांकि, कंपनी ने इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है।

पुराने कानूनी विवाद में राजकुमार राव को जमानत, कोर्ट पहुंचकर किया था सरेंडर

बॉलीवुड एक्टर राजकुमार राव अपने पुराने कानूनी विवाद की वजह से चर्चाओं में आ गए हैं। उन्होंने हाल ही में अपने 8 साल पुराने मामले में कोर्ट में सरेंडर किया है।

बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव अब अपने एक पुराने कानूनी विवाद को लेकर सुर्खियों में आ गए है। अभिनेता को आठ साल पुराने एक मामले में पंजाब के जालंधर कोर्ट में सरेंडर करना पड़ा। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अब उन्हें कोर्ट से जमानत भी मिल गई है। इस केस की अगली सुनवाई 30 जुलाई को होगी।

क्या है पूरा मामला?

ये पूरा मामला साल 2017 में रिलीज हुई फिल्म 'बहन होगी तेरी' से जुड़ा हुआ है। फिल्म में एक सीन और उससे जुड़े एक पोस्टर को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। आरोप है कि फिल्म के एक सीन में भगवान शिव के रूप में अभिनेता राजकुमार राव को बाइक पर बैठे हुए दिखाया गया था, जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हुईं।

शिवसेना नेता ने जताई थी आपत्ति

इस सीन को लेकर एक स्थानीय शिवसेना नेता ने आपत्ति जताई थी। उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई थी, जिसके बाद राजकुमार राव, निर्देशक नितिन कक्कड़, निर्माता अमूल विकास मोहले और सह-कलाकार श्रुति हासन के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

राजकुमार राव को मिली जमानत

मामला दर्ज होने के बाद कोर्ट ने अभिनेता को समन भेजा था, लेकिन राजकुमार राव उस समय अदालत में पेश नहीं हो सके। नतीजतन, अदालत ने उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी कर दिया। अब अभिनेता ने 28 जुलाई को कोर्ट में सरेंडर कर दिया। इसके बाद उन्हें सशर्त जमानत मिल गई। गौरतलब है कि इस केस में पहले भी राजकुमार राव ने अग्रिम जमानत ले रखी थी, लेकिन कोर्ट में उनकी अनुपस्थिति के चलते वारंट जारी करना पड़ा। अब 30 जुलाई को इस मामले की अगली सुनवाई होनी है। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान राजकुमार राव या उनकी टीम की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। अभिनेता की तरफ से अभी तक इस केस पर चुप्पी ही बनी हुई है।

जल्द ही पिता बनने वाले हैं राजकुमार राव

वहीं, अगर बात उनकी निजी जिंदगी की करें, तो राजकुमार राव जल्द ही पिता बनने वाले हैं। उनकी पत्नी पत्रलेखा प्रेग्नेंट हैं और इसी खुशी के मौके पर हाल ही में अभिनेता ने अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर (गोल्डन टेंपल) में जाकर आशीर्वाद लिया। फिल्मों की बात करें तो राजकुमार राव जल्द ही 'टोस्टर' नाम की फिल्म में नजर आएंगे। इससे पहले वो इस साल 'भूल चूक माफ' और 'मालिक' जैसी फिल्मों में दिखाई दे चुके हैं।

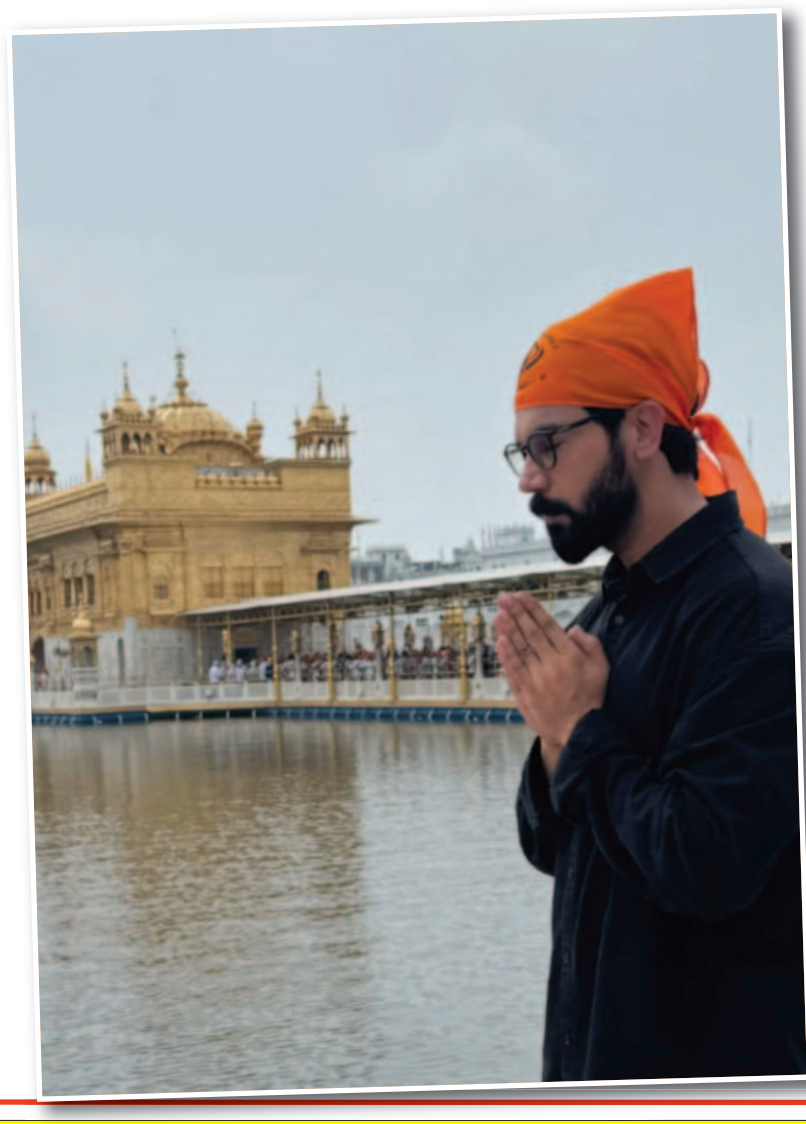

इंडियन कोचर वीक में जान्हवी कपूर और अर्जुन रामपाल बने शो स्टॉपर, ट्रेडिशनल लुक में किया वॉक

इन दिनों फैशन डिजाइन काउंसिल ऑफ इंडिया की तरफ से नई दिल्ली में इंडियन कोचर वीक 2025 का आयोजन हो रहा है। आज छठे दिन यानी सोमवार को फैशन डिजाइन जयंती रेड्डी के लिए जान्हवी कपूर शो स्टॉपर बनीं। वहीं दिवंगत डिजाइनर रोहित बल की याद में आयोजित किए एक शो में अर्जुन रामपाल ने रैंप वॉक की।

कई बॉलीवुड सेलिब्रिटीज इन दिनों अलग-अलग फैशन डिजाइनर्स के लिए इंडियन कोचर वीक 2025 में रैंप वॉक कर रहे हैं। हाल ही में अक्षय कुमार, फातिमा सना शेख जैसे सेलिब्रिटीज रैंप वॉक करते नजर आए। आज सोमवार रात को जान्हवी कपूर भी डिजाइनर जयंती रेड्डी के लिए ट्रेडिशनल इंडियन गेटअप में रैंप वॉक करती नजर आईं। इस ड्रेसअप में वेस्टर्न टच भी नजर आता है। साथ ही यह ड्रेस जान्हवी को रॉयल टच भी देती है।

जान्हवी ने की शानदार रैंप वॉक

फैशन डिजाइन काउंसिल ऑफ इंडिया के इंस्टाग्राम पर जान्हवी कपूर के रैंप वॉक का एक वीडियो साझा किया गया है। जान्हवी काफी शानदार तरीके से रैंप पर वॉक कर रही हैं। जयंती रेड्डी की बनाई ड्रेस में वह रॉयल नजर आ रही हैं।

इंडो-वेस्टर्न रही रैंप वॉक की थीम

डिजाइनर जयंती रेड्डी की बनाई जिस ड्रेस में जान्हवी ने वॉक की, उसमें पेस्टल कलर में डोरी वर्क, फ्लावर पैटर्न का काम नजर आया। यह ड्रेसअप शादी या फेस्टिवल जैसे इवेंट्स के लिए बिल्कुल परफेक्ट है। जान्हवी भी बड़ी नजाकत से इस ड्रेस में रैंप पर चलती हुई नजर आईं। सोशल मीडिया यूजर्स ने भी इंडियन कोचर वीक में जान्हवी कपूर की रैंप वॉक को सराहा। एक यूजर का कहना था, 'जान्हवी कपूर ने अपनी वॉक पर काम किया।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'क्वीन'। ऐसे ही कई तारीफ से भरे कमेंट्स यूजर्स और फैंस ने जान्हवी कपूर के लिए किए। बताते चलें कि कुछ महीनों पहले अपनी एक रैंप वॉक के लिए जान्हवी कपूर ट्रोल हो चुकी हैं।

दिवंगत डिजाइनर रोहित बल के फैशन शो के लिए अर्जुन रामपाल ने की वॉक

अर्जुन रामपाल ने रैंप वॉक के बाद ऊपर देखा और डिजाइनर रोहित बल को याद किया। अर्जुन ने कहा, 'रोहित इस शो को डिजर्व करते थे। यह एक शानदार शो रहा।'

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com